कोटद्वार, मंगलवार
24 फरवरी 2026
वर्षः 48
अंकः 270 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

संस्थापक : स्व. नगेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से ऑटो चालक की मौत

देहरादून। सहस्त्रधारा रोड पर तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से घायल हुए ऑटो चालक की मौत हो गई। ऑटो चालक की पत्नी की तहरीर पर रविवार को राजपुर थाना पुलिस ने आरोपी बाइक सवार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना बीते 13 फरवरी की रात करीब 8:15 बजे की है। पुलिस को दी गई शिकायत में दो बच्ची रोड, अनिरुद्ध कुमार देशवाल रेजिडेंसी निवासी मोहिनी ने बताया कि उनके पति श्याम सुंदर चौहान (ऑटो चालक) तिब्बती कॉलोनी, आईटी पार्क के पास से घर आने की तैयारी कर रहे थे। वह अपने ऑटो के पास खड़े थे। इसी दौरान शहर से सहस्त्रधारा की ओर जा रही एक तेज रफ्तार पल्सर बाइक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। चश्मदीदों के मुताबिक बाइक काफी तेज गति में थी और उस पर एक युवती भी बैठी थी। गंभीर रूप से घायल श्याम सुंदर को तुरंत अस्पताल ले जाया गया। जहां उपचार के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। मोहिनी ने बताया कि वह सदमे और सामाजिक कर्मकांडों के कारण तुरंत पुलिस को सूचना नहीं दे पाई थीं। आरोपी बाइक चालक की पहचान भूपेश रौतेला निवासी चमोली के रूप में हुई है। इंस्पेक्टर प्रदीप रावत ने बताया कि आरोपी भूपेश के खिलाफ सड़क हादसे में किसी व्यक्ति को मारने की धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

मजदूर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

रुद्रपुर। रुद्रपुर में काम पर निकले एक मजदूर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सोमवार सुबह वह अपने घर से कुछ दूरी पर बेसुध अवस्था में मिला। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस उसे जिला अस्पताल ले गई, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार, सोमवार सुबह बगवाड़ा भट्टा पार्किंग में एक मजदूर अचेत अवस्था में पड़ा मिला। देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। किसी ने चौकी बगवाड़ा पुलिस को सूचना दी। सूचना पर एसआई मोहन चंद्र जोशी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और आसपास मौजूद लोगों से पूछताछ की। इसके बाद मजदूर को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान 30 वर्षीय धर्मेंद्र पुत्र किशन पाल निवासी दूधिया नगर, रुद्रपुर के रूप में हुई है। सूचना मिलने पर परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। परिजनों ने बताया कि धर्मेंद्र दिहाड़ी मजदूरी कर परिवार का भरण–पोषण करता था और सोमवार सुबह ही काम के लिए घर से निकला था। सीओ प्रशांत कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों की पुष्टि हो सकेगी। मामले की जांच जारी है।

पहाड़ी रूट पर नहीं मिली बसें, यात्री रहे परेशान

ऋषिकेश। पर्वतीय रूट के मुसाफिरों को ऋषिकेश से सवारी वाहन नहीं मिल पा रहे हैं। पहाड़ों में अधिकांश निजी परिवहन कंपनियों की बसों से ही यात्री सफर करते हैं, लेकिन इन दिनों अचानक बढ़ रही भीड़ में यात्रियों के लिए कंपनियों की बसें नाकाफी साबित होती दिख रही हैं। सोमवार को पहाड़ी रूट के लिए लोकल सेवा के स्टॉपेज दून मार्ग स्थित इंद्रमणि बड़ोनी चौक पर यात्रियों की भीड़ दिखी। इनमें से ज्यादातर यात्रियों को टिहरी, उत्तरकाशी, घनसाली, श्रीनगर और रुद्रप्रयाग आदि इलाकों में जाना था। सुबह से लेकर लेकर दोपहर बाद तक यात्रियों का जमघट चौक लगा दिखा। आधे से एक घंटे के इंतजार के बसें पहुंची, जिसमें सीट के लिए यात्रियों में मारामारी जैसी स्थिति रही। स्टॉपेज पर किसी तरह का यात्रीशेड नहीं होने से लंबे समय तक खड़े रहने से यात्रियों की दुश्वारियां और बढ़ी। चटक धूप में सर्द मौसम के बावजूद वह बचने के लिए छाव का सहारा भी लेते दिखे। टीजीएमओ अध्यक्ष जितेंद्र नेगी ने बताया कि पहाड़ी रूट पर कंपनियों की प्रतिदिन 60 सेवा संचालित की जाती हैं। चौक पर भीड़ जरूर नजर आती है, लेकिन इससे आगे भद्रकाली में बसों की स्थिति देखेंगे, तो उनकी सीटें ज्यादातर खाली रहती है। व्यक्तिगत साधन होने की वजह से गांव के लोगों के संपर्क में रहते हैं। वह इस तरह के वाहनों में भी आवाजाही के लिए चौक पर जुटते हैं।

केंद्र सरकार ने कुंभ मेला की तैयारियों के लिए दिये 500 करोड़

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने पीएम और केंद्र सरकार का जताया आभार

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड में प्रस्तावित कुंभ मेला-2027 की तैयारियों के लिए भारत सरकार द्वारा 500 करोड़ रुपये की धनराशि जारी किए जाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार का आभार व्यक्त किया है। श्री धामी ने विश्वास व्यक्त किया कि केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से कुंभ मेला 2027 ऐतिहासिक, सुरक्षित और सुव्यवस्थित आयोजन के रूप में स्थापित होगा तथा देश-विदेश से आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं को उत्कृष्ट सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्ता पूर्ण कार्य सुनिश्चित करते हुए दिव्य और भव्य कुंभ मेला 2027 आयोजित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुंभ मेला केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की सनातन संस्कृति, आध्यात्मिक विरासत और सामाजिक समरसता का विश्वविख्यात महापर्व है। केंद्र सरकार द्वारा स्वीकृत यह धनराशि कुंभ मेला 2027 को दिव्य, भव्य और सुव्यवस्थित स्वरूप प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इससे आधारभूत ढांचे के सुदृढ़ीकरण, यातायात प्रबंधन, पेयजल, स्वच्छता, सुरक्षा व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुविधा से जुड़े कार्यों को गति मिलेगी। ज्ञातव्य है कि मुख्यमंत्री ने पूर्व में प्रधानमंत्री से कुंभ में सहायता हेतु अनुरोध किया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार निरंतर उत्तराखंड के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। चारधाम परियोजना, ऑल वेदर रोड, रेल एवं हवाई कनेक्टिविटी के विस्तार सहित विभिन्न विकास कार्यों में केंद्र का सहयोग राज्य के लिए संबल सिद्ध हुआ है। कुंभ मेला 2027 के सफल आयोजन के लिए यह सहयोग राज्य सरकार के संकल्प को और मजबूती प्रदान करेगा।

कोटद्वार में दर्दनाक हादसा.. ट्रक की चपेट में आने से आठ साल के मासूम की मौत

कोटद्वार। दुगड्डा स्थित पार्क के समीप हाईवे से गुजर रहे एक गैस सिलिंडर के ट्रक की चपेट में आने से आठ साल के मासूम की मौत हो गई। घटना के बाद से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस ने आरोपी ट्रक चालक को हिरासत में ले लिया है। घटना सोमवार देर शाम की है। कोतवाल प्रदीप नेगी ने बताया कि दुगड्डा निवासी रविकांत गिरि का पुत्र अभिनंदन (8) घर के पास के पार्क में खेलने के लिए गया हुआ था। घर लौटते वक्त वह हाईवे क्रॉस कर रहा था। इस दौरान कोटद्वार की ओर आ रहे तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पास ही बैरियर पर मौजूद पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और गंभीर रूप से घायल बच्चे को आकस्मिक सेवा वाहन 108 से बेस अस्पताल कोटद्वार भेजा, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया है। अभिनंदन अपने दादा–दादी के साथ दुगड्डा में रहकर पढ़ाई कर रहा था। वह सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में कक्षा–2 में अध्ययनरत था। अभिनंदन के पिता रविकांत गिरी यूपी पुलिस में सब इंस्पेक्टर के पद पर सेवारत हैं। मूल रूप से बरेली निवासी मृतक के दादा मुन्ना गिरि राजकीय जूनियर हाईस्कूल बोरगांव में सहायक अध्यापक हैं। वे दुगड्डा में किराए के मकान में रहते हैं। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

देश के दुश्मनों के मंसूबों पर करारा 'प्रहार'

गृह मंत्रालय ने जारी की देश की पहली आतंक रोधी नीति

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सोमवार को देश की पहली आतंकवाद–रोधी नीति 'प्रहार' जारी की। इसमें आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति पर आधारित एक बहुस्तरीय रणनीति तय की गई है, जो खुफिया जानकारी के आधार पर चरमपंथी हिंसा की रोकथाम और उसे निष्क्रिय करने पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य आतंकवादियों, उनके वित्तपोषकों और समर्थकों को धन, हथियार और सुरक्षित ठिकानों तक पहुंच से वंचित करना है। इसमें साइबर क्राइम, ड्रोन हमलों, सीमापार आतंकवाद और जटिल सुरक्षा खतरों से निपटने की सुगठित राष्ट्रीय ढांचे का भी उल्लेख है। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा जारी की गई नीति भारत या विदेश से उत्पन्न होने वाले आतंकी खतरों का मुकाबला करने के लिए सात प्रमुख स्तंभों पर आधारित है। ये सात स्तंभ (प्रहार) रोकथाम(पी), प्रतिक्रिया(आर), आंतरिक क्षमताओं का एकीकृत करना (ए), मानवाधिकार और कानून के शासन पर आधारित प्रक्रियाएं (एच), कट्टरता सहित आतंकवाद में सहायता करने वाली परिस्थितियों को दूर करना (ए), आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रयासों को संरेखित और आकार देना (ए) और समग्र समाज के दृष्टिकोण रिकवरी व रेसिलिएंस (आर) शामिल है।

भारत अलकायदा व आइसिस जैसे आतंकी समूहों के निशाने पर

नीति दस्तावेज में पाकिस्तान का नाम लिए बिना कहा गया है, 'भारत के पड़ोस में अस्थिरता का इतिहास रहा है, जिसके कारण अराजक क्षेत्र उत्पन्न हुए हैं। इसके अलावा इस क्षेत्र के कुछ देशों ने कभी–कभी आतंकवाद को राज्य नीति के एक साधन के रूप में इस्तेमाल किया है।' इसमें कहा गया, 'इसके बावजूद भारत आतंकवाद को किसी विशिष्ट धर्म, जातीयता, राष्ट्रीयता या सभ्यता से नहीं जोड़ता। भारत ने हमेशा आतंकवाद और किसी भी तत्व द्वारा किसी भी घोषित या अघोषित उद्देश्य की प्राप्ति के लिए इसके उपयोग की स्पष्ट व निर्विवाद रूप से निंदा की है।' नीति दस्तावेज में कहा गया है कि भारत लगातार आतंकवाद के पीड़ितों के साथ खड़ा रहा है और इस पर अडिग है कि दुनिया में हिंसा का कोई औचित्य नहीं हो सकता।

किसानों को ब्याज के साथ मुआवजा देने का नियम पिछली तारीखों से लागू होगा-सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि 2018 से पहले के जमीन अधिग्रहण के मामलों को दोबारा नहीं खोला जा सकता. यह मामला उन किसानों को ब्याज के साथ मुआवजा देने से जुड़ा है जिनकी जमीन एनएचएआई एक्ट के तहत ली गई थी. 2019 में, कोर्ट ने फैसला दिया था कि एनएचएआई एक्ट के तहत जमीन खोने वाले किसानों को ब्याज के साथ मुआवजा देने का नियम पिछली तारीखों से भी लागू होगा.

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की विशेष पीठ के सामने यह मामला आया. पीठ ने यह टिप्पणी भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की उस याचिका पर सुनवाई शुरू करते हुए की, जिसमें 2019 के फैसले पर पुनर्विचार करने की मांग की गई है.

एनएचएआई की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत में दलील दी कि 2019 के फैसले से लगभग 32,000 करोड़ रुपये का भारी आर्थिक बोझ पड़ गया है, इसलिए इसे केवल भविष्य के मामलों पर ही लागू किया जाना चाहिए. इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने इस दलील को खारिज कर दिया था और कहा था कि किसानों को इन लाभों से वंचित करना संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) का उल्लंघन है. मेहता ने कहा, शायद तब अदालत को लगा था कि यह मामला केवल 100 करोड़ रुपये का है. उन्होंने यह भी कहा कि एक अन्य फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि बंद हो चुके मामलों को दोबारा नहीं खोला जाएगा. इस पर चीफ जस्टिस ने टिप्पणी की, कट–ऑफ तारीख 2008 लगती है, बशर्ते उस समय दावे लंबित रहे हों. 2018 से पहले के खत्म हो चुके मामलों को दोबारा नहीं खोला जा सकता. जो मामले 2008 में लंबित थे, वे जारी रहेंगे. अगर 2020 की शुरुआत में किसी ने आवेदन देकर 2008 के आधार पर समानता मांगी है, तो हम उन्हें अतिरिक्त मुआवजा देने के लिए हां कह सकते हैं, लेकिन भूमि अधिग्रहण के मामलों की तरह ब्याज देने के लिए नहीं.

संक्षिप्त दलीलों को सुनने के बाद, पीठ ने सभी पक्षों से यदि कोई लिखित प्रस्तुतिकरण हो तो उसे दाखिल करने को कहा और पुनर्विचार याचिका को दो सप्ताह बाद सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया.पिछले साल 4 नवंबर को, सीजेआई की अध्यक्षता वाली पीठ ने अपने फैसले के खिलाफ एनएचएआई की पुनर्विचार याचिका पर खुली अदालत में सुनवाई करने की सहमति दी थी. पिछले साल नवंबर में, सॉलिसिटर जनरल ने पीठ के समक्ष दलील दी थी कि इस मामले का लगभग 32,000 करोड़ रुपये का व्यापक प्रभाव होगा, न कि 100 करोड़ रुपये जैसा कि पहले याचिका में बताया गया था.

4 फरवरी, 2025 को, शीर्ष अदालत ने एनएचएआई की याचिका को खारिज करते हुए फैसला सुनाया था कि किसानों को मुआवजा और ब्याज देने का उसका 2019 का निर्णय, जिनकी भूमि एनएचएआई अधिनियम के तहत अधिग्रहित की गई थी, पिछली तारीख से लागू होगा.

मिलावटी दूध का कहर, 48 घंटे के अंदर किडनी फेल होने से 4 की मौत

गोदावरी,आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले के राजमुंदरी इलाके से हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां पिछले 48 घंटों के अंदर अचानक किडनी से संबंधित बीमारी होने से 4 लोगों की मौत हो गई। 12 अन्य लोगों का कई अस्पतालों में इलाज चल रहा है। सभी पीड़ित लोग 65 साल से ज्यादा उम्र के बताए जा रहे हैं।

इस मामले की जांच में बहुत ही चौंकाने देने वाली बात सामने आई है। जांच में पता चला है कि पीड़ित लोगों ने मिलावटी दूध का इस्तेमाल किया था। मिलावटी दूध पीन के बाद ही इन लोगों की तबीयत बिगड़ी और 4 की मौत हो गई। कई अस्पताल में भर्ती हैं।

जांच कर रहे अधिकारियों ने कोरुकोंडा मंडल के नरसापुरम गांव से एक दूध बेचने वाले को हिरासत में ले लिया है। जांच के दौरान अवैध रूप से चल रही उसकी डेयरी यूनिट को भी सीज कर दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि उस खास वेंडर से दूध सप्लाई किए गए 105 परिवारों में से 75 परिवारों से सैंपल लिए गए हैं।

गुलाबी कांठा बुग्याल में उमड़ा पर्यटकों का सैलाब

उत्तरकाशी। गुलाबी कांठा बुग्याल इन दिनों सर्दियों की ताजा बर्फबारी के बाद पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। देश के विभिन्न हिस्सों से पर्यटक यहां बर्फबारी का लुत्फ उठाने पहुंच रहे हैं। यह बुग्याल क्षेत्र पर्यटकों से गुलजार नजर आ रहा है। बड़कोट क्षेत्र की यमुनाघाटी में स्थित गुलाबी कांठा बुग्याल में एक से डेढ़ फीट तक बर्फ जमी है। हालांकि इस बार मौसम की बेरूखी के कारण क्षेत्र में ज्यादा बर्फबारी नहीं हुई। आमतौर पर इस बुग्याल क्षेत्र में सर्दियों में तीन से चार फीट तक बर्फ जमी रहती है। मौजूदा समय में यहां चारों ओर फैली बर्फ, देवदार और भोजपत्र के घने वृक्ष, शांत वातावरण और हिमालयी चोटियों के मनमोहक दृश्य पर्यटकों को विशेष रूप से आकर्षित कर रहे हैं। बड़ी संख्या में विभिन्न राज्यों से पर्यटक, ट्रेकर्स और प्रकृति प्रेमी यहां पहुंच रहे हैं। युवाओं के समूह ट्रेकिंग, स्नो वॉक, फोटोग्राफी और कैंपिंग का भरपूर आनंद ले रहे हैं। स्थानीय निवासी विजय सिंह रावत ने बताया कि सर्दियों में यह बुग्याल मिनी स्नो डेस्टिनेशन के रूप में प्रसिद्ध होता जा रहा है। यहां तक पहुंचने के लिए देहरादून से बड़कोट होते हुए हनुमानचट्टी तक सड़क मार्ग उपलब्ध है। हनुमानचट्टी तक बस और टैक्सी की सुविधा आसानी से मिल जाती है, जिसके बाद लगभग 5झ्6 किमी का पैदल ट्रेक करना पड़ता है। हर वर्ष यहां आने वाले पर्यटकों की संख्या में वृद्धि हो रही है जिससे यह क्षेत्र शीतकालीन पर्यटन के रूप में तेजी से पहचान बना रहा है।

शिक्षा निदेशालय बवाल में हिस्ट्रीशीटर कल्ली समेत चार गिरफ्तार

देहरादून। ननूरखेड़ा स्थित प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय में बीते शनिवार को हुए हाई–प्रोफाइल बवाल, तोड़फोड़ और मारपीट के मामले में सोमवार को पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर कल्ली समेत चार आरोपी गिरफ्तार किए। हिस्ट्रीशीटर बवाल के दौरान विधायक उमेश शर्मा काऊके साथ मौजूद था। गिरफ्तारी की कार्रवाई सीसीटीवी फुटेज, चश्मदीदों के बयान और अन्य साक्ष्यों के आधार पर की गई है।

गिरफ्तार आरोपियों को जल्द न्यायालय में पेश किया जाएगा। एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने बताया कि इस मामले में हिस्ट्रीशीटर अरविंद पुंडीर उर्फ कल्ली निवासी ननूरखेड़ा, रायपुर, लक्ष्मण नवानी निवासी शिवलोक कॉलोनी लाडपुर, राकेश थपलियाल निवासी तपोवन रोड, लाडपुर और अक्षय राणा निवासी सौंधोवाली, रायपुर गिरफ्तार किए गए हैं। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक शिक्षा निदेशक अजय कुमार नौड़ियाल की ओर से दी गई तहरीर और घायलों की मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर विधायक काऊ और साथियों पर धारा 121(1) (लोक सेवक के कार्यों में बाधा डालना और चोट पहुंचाना), 191(2) (बलवा), 324(3) (संपत्ति को नुकसान पहुंचाना), 351(3) (जान से मारने की धमकी देना) और 352 (गाली–गलौज कर अपमानित करना) लगाई गई हैं। आरोप है कि जब विधायक उमेश शर्मा काऊ और निदेशक के बीच वार्ता चल रही थी, तभी इन लोगों ने अराजकता फैलाई और कुर्सियां फेंककर तोड़फोड़ की, जिसमें कार्यालय में मौजूद कुछ लोगों को चोटें आईं। उधर, विधायक के गनर ने भी निदेशालय कर्मचारियों के खिलाफ क्रास केस दर्ज करा दिया है।

एचएएल बोला– कोई तेजस विमान दुर्घटनाग्रस्त नहीं हुआ, केवल मामूली तकनीकी खराबी आई

नईदिल्ली, हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने तेजस लड़ाकू विमान के क्रैश होने की खबरों का खंडन किया है। एचएएल ने कहा है कि जमीन पर ही विमान में मामूली तकनीकी खराबी आई थी और उड़ान के दौरान कोई हादसा नहीं हुआ। दरअसल, इससे पहले खबर आई थी कि 7 फरवरी को लैंडिंग के दौरान तेजस विमान का ब्रेक फेल हो गया था। हादसे से पहले पायलट सुरक्षित बाहर निकल गया था, लेकिन विमान को नुकसान पहुंचा। एचएएल ने कहा, तेजस के क्रैश की कोई खबर नहीं है। जिस घटना की बात हो रही है, वह जमीन पर हुई एक छोटी तकनीकी घटना थी। तेजस समकालीन लड़ाकू विमानों में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ सुरक्षा रिकॉर्ड में से एक को बनाए रखता है। एसओपी के तौर पर, इस मामले का गहराई से विश्लेषण किया जा रहा है। एचएएल जल्द समाधान के लिए भारतीय वायुसेना के साथ मिलकर काम कर रहा है। सूत्रों के हवाले से दावा किया था कि 7 फरवरी को लैंडिंग के दौरान तेजस का ब्रेक फेल हो गया और वो रनवे से आगे निकल गया। हादसे में विमान के ढांचे को नुकसान पहुंचा है। रिपोर्ट के मुताबिक, विमान प्रशिक्षण उड़ान के बाद लौट रहा था, तब ये हादसा हुआ।

केरल के कोझिकोड में हादसा, आराम कर रहे मजदूरों पर स्लैब गिरा, तीन की मौत

कोझिकोड (केरल) ,। कोझिकोड के वलियांगडी में सोमवार की दोपहर एक इमारत के स्लैब के गिर जाने से तीन मजदूरों की मौत हो गई. वहीं पांच अन्य घायल हो गए. घायलों को मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है.

बताया जाता है कि दोपहर में अचानक एक इमारत के स्लैब के गिर जाने से वहां पर आराम कर रहे तीन मजदूरों की मौत हो गई. वहीं हादसे में पांच अन्य लोग घायल हो गए.

मरने वालों की पहचान जब्बार, अशरफ और बशीर के तौर पर हुई है, जो सभी इलाके में लोडिंग और अनलोडिंग के काम में लगे हुए थे. यह हादसा दोपहर के आस–पास हुआ, जब बीच रोड पर पुराने पासपोर्ट ऑफिस की इमारत का भारी कंक्रीट का सनशेड अचानक टूट गया, और नीचे आराम कर रहे मजदूरों पर गिर गया. घायलों को तुरंत इलाज के लिए कोझिकोड मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया. इस इमारत में चावल और गेहूं का गोदाम था, वहीं समुद्र के पास होने और नमकीन समुद्री हवाओं के खराब असर की वजह से सालों से यह खराब हालत में थी. इसी वजह से इमारत के अंदर लोहे में जंग लग गया था और वह कमजोर हो गई थी. इस घटना से कोझिकोड म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के खिलाफ लोगों में भारी आक्रोश है, और स्थानीय लोगों और साथी कर्मचारियों ने लापरवाही का आरोप लगाया है. शुरुआती रिपोर्ट के मुताबिक, फायर फोर्स ने पहले ही चेतावनी दी थी कि यह इमारत असुरक्षित है और इसे तुरंत गिराने की सलाह दी थी. इस बारे में पार्षद के.सी. शोभिता ने बताया कि पिछले काउंसिल टर्म के दौरान कोझिकोड में ऐसी आठ टूटी–फूटी इमारतों को गिराने के लिए नोटिस जारी किए गए थे, जिसमें यह खास इमारत भी शामिल है. लेकिन, तोड़–फोड़ कभी नहीं हुई, एक नाकामी जिसे आलोचक मौतों का सीधा कारण बताते हैं. हालांकि मेयर सदाशिवन ने साइट का दौरा किया और ऑफिशियल फाइलों की जांच के बाद विस्तृत जांच का वादा किया, लेकिन लोगों को अभी भी शक है कि क्या जवाबदेही सही तरीके से तय होगी.

सेना ने किश्तवाड़ में 326 दिन चलाया अभियान, कमांडर सैफुल्लाह समेत जैश के 7 आतंकी मारे

श्रीनगर,। भारतीय सेना ने बताया है कि उसने जम्मू–कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में ऊंचाई वाले चतरू इलाके में लगभग एक साल तक चले संयुक्त अभियान में 7 आतंकवादियों को मार गिराया है। यह अभियान सेना की व्हाइट नाइट कोर ने जम्मू–कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ के साथ मिलकर चलाया था। मारे गए आतंकियों में जैश–ए–मोहम्मद का कमांडर सैफुल्लाह भी शामिल है। सेना ने अब इस पूरे कठिन अभियान की जानकारी दी है। सेना ने कहा, किश्तवाड़ इलाके में 326 दिनों तक लगातार हाई–एल्टीट्यूड जॉइंट ऑपरेशन चलाए गए। सेना ने मुश्किल हालात में ठंडे, गीले और बर्फीले मौसम में मुश्किल इलाकों में आतंकवादियों को ट्रैक किया, जिससे कई लोगों से संपर्क हुआ। सैनिकों ने जम्मू–कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ के साथ मिलकर काम किया, नागरिक और सैन्य खुफिया एजेंसियों द्वारा बनाए गए एक अच्छी तरह से जुड़े खुफिया ग्रिड का इस्तेमाल किया और आखिरकार चतरू में सभी 7 खतरनाक आतंकवादियों को खत्म कर दिया। सेना ने बताया कि अभियान में एफपीवी ड्रोन, सैटेलाइट इमेज, आरपीए/यूएसवी आदि के रूप में तकनीक का लगातार लाभ उठाया। काउंटर–इंसर्जेंसी फोर्स डेल्टा के जनरल ऑफिसर कमांडिंग मेजर जनरल एपीएस बल ने कहा, अभियान ने जमीन पर मौजूद सैनिकों से लेकर को–कमांडरों, एडीजी, आईजी, डीजीपी और आर्मी कमांडर तक सभी लेवल पर आसान तालमेल दिखाया। सेना ने कहा कि हमारे जवानों और इंटेलिजेंस एजेंसियों के पक्के इरादे, हिम्मत और बहादुरी के सामने कुछ भी टिक नहीं सकता। चतरू इलाके में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई थी। इसमें 3 आतंकी मारे गए थे। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों ने टीम पर एक मिट्टी के घर से गोलीबारी की थी। इस दौरान घर में आग लग गई और बाद में जली हुई लाशें मिलीं, जो पहचान में नहीं आ रही थीं। इस अभियान में सेना के 2 पैरा (एसएफ) के के9 डॉग टायसन को भी गोली लगी है। सेना ने 18 जनवरी को चतरू के मंडराल–सिंहपोरा के पास सोनार गांव के जंगलों में ऑपरेशन त्राशी–1 शुरू किया था।

खालिस्तानी संगठन ने दिल्ली का लाल किला और विधानसभा बम से उड़ाने की धमकी दी

नईदिल्ली, दिल्ली में आतंकवादी धमकियों पर लगाम नहीं लग रही है। सोमवार सुबह सैन्य स्कूलों को धमकी देने के बाद अब लाल किला और दिल्ली विधानसभा उड़ाने की भी धमकी दी गई है। बताया जा रहा है कि धमकी भरा ई–मेल एक खालिस्तानी संगठन के नाम से भेजी गई है। धमकी की सूचना पर लाल किले और विधानसभा पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और जांच अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि सुबह 7 बजे आर्मी पब्लिक स्कूल और वायसेना के बाल भारती स्कूल को 9 बजे बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। इसके बाद लाल किला और विधानसभा को लेकर भी धमकी भरा ईमेल भेजा गया। सभी जगह की जांच में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। फिलहाल, सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉयड ने पूरे परिसर की तलाशी ली है। पुलिस का कहना है कि साइबर विशेषज्ञ ईमेल भेजने वाले का पता लगा रहे हैं। सभी ईमेल खालिस्तान संगठन की ओर से भेजा गया है। बता दें कि पिछले साल नवंबर में लाल किले के पास एक कार में आत्मघाती बस विस्फोट हुआ था,

प्रधानमंत्री मोदी के इजरायल दौरे पर एडवांस ड्रोन समेत ये हथियार खरीद सकता है भारत

नईदिल्ली,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द ही इजरायल दौरे पर जाने वाले हैं। भारत प्रधानमंत्री मोदी के इस दौरे पर इजरायल से कई उन्नत हथियारों को खरीदने की तैयारी कर रहा है। माना जा रहा है कि इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच रणनीतिक रक्षा सहयोग को और मजबूत किया जाएगा। भारत अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने और हवाई खतरों से सुरक्षा मजबूत करने के लिए नई तकनीक हासिल करने पर जोर दे रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत प्रधानमंत्री मोदी के इस दौरे पर एडवांस्ड ड्रोन, लंबी दूरी की मिसाइलें और लेजर आधारित रक्षा प्रणाली खरीद सकता है। खास फोकस इजरायल के आयरन बीम लेजर सिस्टम पर है, जो रॉकेट और ड्रोन को हवा में ही नष्ट करने की क्षमता रखता है। इसके अलावा, प्रिसिजन बम, बैलिस्टिक मिसाइल और अन्य आधुनिक हथियारों पर भी चर्चा हो सकती है, जिससे भारतीय सेना की ताकत और बढ़ेगी।भारत एक मजबूत बहुस्तरीय एयर डिफेंस शील्ड बनाने की दिशा में तेजी से काम कर रहा है। इसका उद्देश्य मिसाइल, ड्रोन और हवाई हमलों से सुरक्षा देना है। भारत का रक्षा अनुसंधान संगठन भी लेजर हथियार विकसित कर रहा है, लेकिन इजरायल का सिस्टम अधिक ताकतवर और तेज प्रतिक्रिया देने वाला माना जाता है।

सम्पादकीय

निजी यूनिवर्सिटी पर कसे लगाम

देश में गलगोटिया यूनिवर्सिटी के कारनामे के बाद एक बड़ी बहस छिड़ गई है कि आखिर कुकुरमुत्ता की तरह पूरे भारतवर्ष में खुल रही इन यूनिवर्सिटी का देश के विकास में क्या योगदान है? असल में देखा जाए तो यह यूनिवर्सिटी अब अपने लक्ष्य से पूरी तरह से भटक चुकी है और इनमें शिक्षा के अलावा सब कुछ नजर आता है। असल में इन यूनिवर्सिटी से भले ही समाज को या शिक्षा के क्षेत्र में कोई भी लाभ न होता हो लेकिन उनके संचालक जरूर रातों–रात पूंजी पति बन जाते हैं। केंद्र सरकार को आए दिन खुल रहे ऐसे निजी विश्वविद्यालय को लेकर कड़ा कानून बनना चाहिए एवं इसमें शुल्क और इसके संचालन का एक हिस्सा अपने पास भी रखना चाहिए। न केवल देश भर में बल्कि तेरह जनपदों वाला छोटा सा राज्य उत्तराखंड भी इससे अछूता नहीं रह गया है और यहां भी एक कमरे में अपने कार्यालय चलाने वाले आज विशालकाय यूनिवर्सिटी खोलकर बैठे हैं। नेताओं की अलग यूनिवर्सिटी वो अलग। छात्रों को प्रवेश के दौरान लुभावने सपने दिखाकर बुलाया जाता है लेकिन कुछ समय में ऐसी विश्वविद्यालय की पोल तो खुलती ही है साथ ही छात्र भी खुद को ठगा हुआ महसूस करते हैं। सरकार को चाहिए कि ऐसे निजी विश्वविद्यालय के लिए एक रजिस्ट्रार राज्य स्तर पर नियुक्त करना चाहिए जो विश्वविद्यालय की हरकतों एवं मोटे शुल्क पर नियंत्रण रख सके। यह बेहद दुखद है कि अधिकांश निजी विश्वविद्यालय की कमान शिक्षाविदों के हाथ में नहीं बल्कि उद्योगपतियों एवं पूंजी पतियों के हाथ में है। इन हालातो में कल्पना की जा सकती है कि यह निजी विश्वविद्यालय किस प्रकार की शिक्षा छात्रों को दे रहे हैं और किस प्रकार से दूसरों के उत्पादों को अपना बताकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की नाक कटवा रहे हैं। विडंबना तो यह है कि ऐसे निजी विश्वविद्यालय को पूरी तरह से सरकार का संरक्षण प्राप्त है जिनमें कई विश्वविद्यालय में तो सरकार आंख बंद करके संस्तुति प्रदान कर देती है। सरकार को चाहिए कि राज्य स्तर पर अधिक से अधिक सरकारी विश्वविद्यालय का गठन करें ताकि मध्यम एवं कम आय छात्र भी कम शुल्क में गुणवत्ता की शिक्षा प्राप्त कर सकें। निजी विश्वविद्यालय चमक धमक और पांच सितारा संस्कृति के अधीन आज मोटा पैसा कमा रहे हैं जिन पर सरकार का नियंत्रण नहीं है। एक कोर्स करने के लिए मोटा पैसा चुकाने के बाद चंद गिनती के छात्रों को ही अपने भविष्य को संवारने का मौका मिल पाता है जबकि अधिकांश छात्र तो छोटी–मोटी नौकरियां करके गुजारा कर रहे हैं। स्थिति ऐसी बन गई है की सरकारी विश्वविद्यालय की कमी का लाभ पूंजीपति और उद्योगपति उठा रहे हैं, जिन्होंने शिक्षा को एक कारोबार बना लिया है। सरकार जहां विभिन्न प्रकरणों को लेकर आयोग का गठन कर देती है तो वही निजी विश्वविद्यालय पर अंकुश लगाने के लिए और उन्हें संस्तुति देने से पूर्व क्यों नहीं एक ऐसा आयोग गठन किया जाता तो यह निर्धारित करें कि छात्रों से एक निश्चित सीमा तक ही शुल्क वसूला जाएगा। सरकार इस दिशा में यदि शीघ्र कदम नहीं उठाती है तो आने वाले दिनों में ऐसे ही अपमानित होना पड़ेगा जैसे की एआई ग्लोबल सबमिट में चीन की उत्पाद को अपना बताकर होना पड़ा।

पश्चिम बंगाल का चुनाव बहुत अहम

अजीत द्विवेदी

वैसे तो अप्रैल में पांच राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं लेकिन सबकी नजर पश्चिम बंगाल पर है। और ऐसा होने के कई कारण है। हालांकि ऐसा नहीं है कि तमिलनाडु का चुनाव कम महत्वपूर्ण है या केरल और असम का चुनाव ज्यादा महत्व का नहीं है। असम और केरल का चुनाव कांग्रेस पार्टी के लिए जीवन मरण का चुनाव है तो तमिलनाडु डीएमके, अन्ना डीएमके और फिल्म स्टार विजय के लिए बहुत अहम है। परंतु राष्ट्रीय स्तर पर जिस चुनाव का सबसे ज्यादा असर होगा वह पश्चिम बंगाल का है। अगर ममता बनर्जी लगातार चौथी बार चुनाव जीतती हैं तो सिर्फ बंगाल नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति प्रभावित होगी और सिर्फ भाजपा नेतृत्व वाले एनडीए पर ही नहीं, बल्कि विपक्षी गठबंधन 'इंडियाइ की राजनीति पर भी बड़ा असर होगा।

चुनाव की घोषणा से पहले कांग्रेस ने ऐलान कर दिया है कि वह अकेले सभी 294 सीटों पर लड़ेगी। दूसरी ओर वामपंथी पार्टियों का मोर्चा भी अकेले लड़ने की तैयारी कर रहा है। 2016 के बाद पहली बार ऐसी स्थिति बन रही है। पिछले दो चुनावों में कांग्रेस और वाम मोर्चे के बीच सीट एडजस्टमेंट की सहमति बनी थी और दोनों ने मिल कर चुनाव लड़ा था। पिछली बार यानी 2021 में तो फुरफुराशरीफ के पीरजादा अब्बास सिद्दीकी की पार्टी इंडियन सेकुलर फ्रंट यानी आईएसएफ के साथ भी सीटों का समझौता हुआ था। इस बार देखने वाली बात होगी कि आईएसएफ की कमान संभाल रहे नौशाद सिद्दीकी क्या फैसला करते हैं। उनका फैसला इसलिए अहम हो गया है क्योंकि इस बार पश्चिम बंगाल में एक मुस्लिम गठजोड़ के अलग से चुनाव लड़ने की संभावना बन रही है। तृणमूल से चुनाव जीते हुमायूं कबीर ने जनता उन्नयन पार्टी बनाई है।वे मुर्शिदाबाद के बेलडांगा में बाबरी मस्जिद बनवा रहे हैं और मुस्लिम ध्रुवीकरण के प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने पिछले दिनों एक सभा की तो उसमें असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया एमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष इरफान सोलंकी भी शामिल हुए थे। कहा जा रहा है कि हुमायूं कबीर इस बार ओवैसी की पार्टी एमआईएम और बदरूद्दीन अजमल की पार्टी एआईयूडीफ से तालमेल करेंगे। अगर आईएसएफ इसमें शामिल हो तो चार मुस्लिम पार्टियों का एक मोर्चा बनेगा। हालांकि इस बीच यह भी खबर है कि सीपीएम के प्रदेश सचिव मोहम्मद सलीम ने भी हुमायूं कबीर से मुलाकात की है। तो क्या लेफ्ट मोर्चा इन मुस्लिम पार्टियों के साथ गठबंधन कर सकता है? जो हो अभी तक यह दिख रहा है कि भाजपा और तृणमूल कांग्रेस की आमने सामने की लड़ाई में कांग्रेस, लेफ्ट और मुस्लिम पार्टियों के मोर्चे की चुनौती है। दूर से एक बहुकोणीय मुकाबला दिख रहा है। हालांकि ऐसा होगा नहीं।

चुनाव से पहले बन रहे गठबंधनों की पृष्ठभूमि जानना इसलिए जरूरी है क्योंकि पश्चिम बंगाल में हिंदू और मुस्लिम दोनों वोटों के बंटवारे या ध्रुवीकरण से चुनावी नतीजे तय होते हैं। लगभग 30 फीसदी मुस्लिम आबादी लगभग पूरी तरह से ममता बनर्जी की पार्टी के समर्थन में वोट करती है। दूसरी ओर 70 फीसदी हिंदू आबादी का लगभग 60 फीसदी हिस्सा भाजपा का समर्थन करता है। इसका अर्थ है कि अगर 10 फीसदी और हिंदू वोट भाजपा के साथ जुड़ जाएं तो भाजपा चुनाव जीत जाएगी या अगर 20 फीसदी के करीब मुस्लिम वोट ममता बनर्जी से टूट जाए तब भी भाजपा जीत जाएगी। भाजपा का 38 से 40 फीसदी तक वोट कायम रहने की संभावना इसलिए है क्योंकि पिछले तीन चुनावों में उसे इतना ही वोट मिलता है और उसे इसे और कंसोलिडेट किया है।पिछले चुनाव में कांग्रेस, लेफ्ट और आईएसएफ को साझा तौर पर 12 फीसदी के करीब वोट मिला था। इसमें ज्यादा बड़ा हिस्सा हिंदू वोट का था। ध्यान रहे बांग्ला बोलने वाला हिंदू समुदाय भाजपा के साथ जाने की बजाय ममता बनर्जी या लेफ्ट, कांग्रेस के साथ रहता है। लेकिन इस बार स्थिति बदलने की संभावना है। बांग्लाभाषी हिंदू पहली बार मुस्लिम आबादी को लेकर चिंता में हैं। उनको लग रहा है कि भाषा और संस्कृति की एकता बनाने के चक्कर में बांग्लाभाषी हिंदू पहले कांग्रेस फिर लेफ्ट और अब तृणमूल को वोट देते रहे हैं लेकिन इस बीच राज्य की जनसंख्या संरचना बदल गई और उनके सामने गंभीर खतरे खड़े हो गए हैं। अगर बांग्लाभाषी हिंदू इस मानसिकता में वोट करते हैं तो भाजपा के लिए अवसर बनेगा और राष्ट्रीय स्तर पर हिंदू ध्रुवीकरण मजबूत होगा।

अगर चुनिंदा इलाकों में जैसे मालदा, मुर्शिदाबाद और उत्तरी दिनाजपुर के मुस्लिम बहुल इलाकों में तृणमूल कांग्रेस को छोड़ कर मुस्लिम आवाम का समर्थन मुस्लिम नेताओं की पार्टियों को मिलता है तो हैदराबाद से शुरू होकर महाराष्ट्र और बिहार तक मुस्लिम नेतृत्व के प्रति मुस्लिम आवाम के बढ़ते रूझान पर मुहर लगेगी। यह ट्रेंड स्थायी रूप से देश की राजनीति को बदलने वाला होगा। ध्यान रहे बिहार में आमने सामने के चुनाव के बावजूद ओवैसी की पार्टी के पांच विधायक जीते। महाराष्ट्र में ओवैसी की पार्टी के करीब एक सौ पार्षद जीते हैं। यह ट्रेंड दिखाता है कि मुस्लिम आवाम के मन में मौजूदा सेकुलर पार्टियों को लेकर संदेह पैदा हो गया है। वे उनकी बजाय सीधे अपना नेतृत्व खड़ा करना चाहते हैं। तभी जहां भी उनको अपना विकल्प मिलता है वे उसे प्राथमिकता देते हैं। जहां विकल्प नहीं है वहां रणनीतिक मजबूरी में कांग्रेस या किसी प्रादेशिक पार्टी का समर्थन करते हैं। अगर ममता बनर्जी की पार्टी को मुसलमानों का समर्थन कम होता है तो इस ट्रेंड की पुष्टि होगी। आगे के चुनावों में देश के दूसरे हिस्सों में भी यह ट्रेंड देखने को मिलेगा।नेतृत्व के स्तर पर भी पश्चिम बंगाल के चुनाव नतीजे का असर देश की राजनीति पर पड़ेगा। अगर ममता बनर्जी चौथी बार जीतती हैं और लगातार दूसरी बार सीधे मुकाबले में भाजपा को हराती हैं तो इसे भाजपा के मौजूदा नेतृत्व के करिश्मे और रणनीति के क्षरण की शुरुआत के तौर पर देखा जाएगा। ध्यान रहे एनडीए के अंदर वैसे भी इस बार भाजपा की स्थिति कमजोर है। पिछले चुनाव में वह अकेले दम पर बहुमत नहीं हासिल कर पाई। नरेंद्र मोदी की सरकार नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू के समर्थन पर निर्भर है। पश्चिम बंगाल में हारने पर सहयोगी पार्टियों का दबाव बढ़ेगा और पार्टी के अंदर भी एक दबाव समूह उभर सकता है। संघ की ओर से दखल बढ़ने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। लेकिन अगर पश्चिम बंगाल का किला भाजपा फतह कर लेती है तो फिर राष्ट्रीय राजनीति में वह अजेय हो जाएगी। नरेंद्र मोदी और अमित शाह के नेतृत्व के सामने लंबे समय तक कोई चुनौती नहीं आएगी।पश्चिम बंगाल के नतीजे का विपक्षी गठबंधन पर भी बड़ा असर होगा। अगर ममता बनर्जी जीतती हैं तो फिर जैसा कि अखिलेश यादव ने कहा, भाजपा से लड़ने वाली इकलौती नेता के तौर वे स्थापित होंगी। वे दिल्ली कूच करेंगी। राहुल गांधी के नेतृत्व के सामने बड़ी चुनौती खड़ी होगी। उनके पीछे हटने और ममता बनर्जी के नेतृत्व में 2029 के लोकसभा चुनाव की तैयारी करने की मांग उठेगी। यह मांग जमीन सचाइयों पर आधरित होगी। इसलिए कांग्रेस भले विरोध करे पर दूसरी पार्टियां इस पर गंभीरता से विचार करेंगी। ध्यान रहे अगले चुनाव तक विपक्षी पार्टियों का सत्ता का सूखा 15 साल का हो जाएगा। ऐसे में वे ममता बनर्जी के ऊपर दांव लगा सकती हैं। अगर कांग्रेस केरल और असम में जीत जाती है और तमिलनाडु में डीएमके गठबंधन जीतता है तब भी राष्ट्रीय स्तर पर नेतृत्व को लेकर गंभीर चर्चा छिड़ेगी। कुल मिला कर हिंदू ध्रुवीकरण, मुसलमानों के अंदर अपने नेतृत्व की तलाश की बेचैनी और एनडीए व 'इंडियाइ ब्लॉक में नेतृत्व के लिहाज से पश्चिम बंगाल का चुनाव बहुत अहम होने वाला है।

> **चुनाव की घोषणा से पहले कांग्रेस ने ऐलान कर दिया है कि वह अकेले सभी 294 सीटों पर लड़ेगी। दूसरी ओर वामपंथी पार्टियों का मोर्चा भी अकेले लड़ने की तैयारी कर रहा है। 2016 के बाद पहली बार ऐसी स्थिति बन रही है। पिछले दो चुनावों में कांग्रेस और वाम मोर्चे के बीच सीट एडजस्टमेंट की सहमति बनी थी और दोनों ने मिल कर चुनाव लड़ा था। पिछली बार यानी 2021 में तो फुरफुराशरीफ के पीरजादा अब्बास सिद्दीकी की पार्टी इंडियन सेकुलर फंट यानी आईएसएफ के साथ भी सीटों का समझौता हुआ था। इस बार देखने वाली बात होगी कि आईएसएफ की कमान संभाल रहे नौशाद सिद्दीकी क्या फैसला करते हैं। उनका फैसला इसलिए अहम हो गया है क्योंकि इस बार पश्चिम बंगाल में एक मुस्लिम गठजोड़ के अलग से चुनाव लड़ने की संभावना बन रही है। तृणमूल से चुनाव जीते हुमायूं कबीर ने जनता उन्नयन पार्टी बनाई है।**

ऑपरेशन भी होगा तो शर्तों के साथ

हरिशंकर व्यास

तो आज का वक्त भारत का सेनापति बेचारा (थलसेना प्रमुख–जनरल एमएम नरवणे) 'सबसे ऊपर सेइ.. आदेश की प्रतीक्षा के अनुभव वाला। अंत में जवाब – जो उचित समझो, वह करो। कितनी गंभीर बात। तभी विचार करें नेहरू के बनाए भारत और जिन्ना के बनाए पाकिस्तान में क्या फर्क है? नेहरू की जिद्द थी कि सिविल सरकार से सेना आदेश लेगी। जबकि जिन्ना ने दिमाग नहीं लगाया। नतीजतन पाकिस्तान में रिवाज है सेना देगी सिविल सरकार को आदेश। वह चलाएगी सरकार!

इस फर्क को क्या नरेंद्र मोदी, अजित डोवाल, राजनाथ सिंह, अमित शाह, जयशंकर या संघ परिवार के लाठीधारी जानते हैं? चलिए आज आपको राहुल गांधी के पुरखे जवाहरलाल नेहरू की समझ का एक प्रमाण दें। वह सबूत, जिससे पाकिस्तान में सैनिक सर्वशक्तिमान है वही लोकतांत्रिक भारत भयाकुल सिविलियन नरेंद्र मोदी से शासित है।

नेहरू आजादी से पहले अंतरिम सरकार के प्रधानमंत्री थे। वायसराय की कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष थे। वह कार्यकारिणी देश के प्रशासन का बिंदु थी। उसमें ब्रितानी सेना के प्रमुख की सदस्यता अनिवार्य थी। पर नेहरू ज्योंहि उपाध्यक्ष बने उनका निर्णय था नागरिक व्यवस्था, राजनीतिक निर्णयों की बैठकों में सेना प्रमुख का क्या काम! वह सदस्य नहीं होगा। उन्होंने वायसराय कार्यकारिणी में सेना प्रमुख को सदस्य नहीं बनाने की अनुशंसा की। नेहरू ने साफ स्टैंड लिया कि शासन–प्रशासन से सेना को दूर रखा जाना चाहिए, ताकि सत्ता का संतुलन नागरिक नेतृत्व के अधीन रहे। तब नेहरू और कांग्रेस नेताओं को बोध था कि भारत में विदेशी शासन सैन्य छावनियों के बल पर था। सो, भविष्य के लोकतांत्रिक भारत में सेना को शासन से दूर रखने का निर्णय हुआ।

और नेहरू ने वायसराय कार्यकारिणी में सेना प्रमुख के स्थान पर सेना के प्रतिनिधि मंत्री के रूप में नेता सरदार बलदेव सिंह को कार्यकारिणी का सदस्य बनाया। फिर वह हरसंभव प्रयास किया, जिससे सेनाध्यक्ष की प्रशासनिक मामलों से दूरी बनी। वह हस्तक्षेप न हो और न ही नीतिगत निर्णयों में निर्णयकर्ता या भागीदार बने। लोकतंत्र को स्थिर, टिकाऊ बनाए रखने के लिए उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों पर एक कैबिनेट समिति का गठन किया। इसी से नागरिक और सैन्य नेतृत्व के बीच एक संस्थागत संतुलन स्थापित हुआ। इसके अलावा, नेहरू ने वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों के कार्यकाल को निश्चित अवधि का बनाया, जिससे सैन्य पदों पर अनावश्यक राजनीतिक प्रभाव को रोका जा सके। सेवानिवृत्त सेना प्रमुखों, जैसे जनरल करियप्पा, को दूरस्थ देशों में राजदूत नियुक्त किया। मतलब सैन्य नेतृत्व की राजनीतिक सत्ता से दूरी बनाए रखने की परंपरा बनाई। खुफिया एजेंसियों के माध्यम से निगरानी तंत्र विकसित किया।

तभी नेहरू से मोदी के सत्ता में आने तक हर सरकार ने तीनों सेनाओं के प्रमुख अलग–अलग रखे। चीन के हमले के बाद तीनों सेना के कमान से ऊपर एक प्रमुख की नियुक्ति की सलाह दी जाती रही। लेकिन भारत के सभी प्रधानमंत्रियों ने नेहरू की इस समझ को अपनाए रखा कि एक शक्तिशाली सैन्य पद लोकतंत्र के लिए ख़तरा बन सकता है। उस सोच–सावधानी को प्रधानमंत्री मोदी ने प्रमुख रक्षा अध्यक्ष का पद (चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ यानी सीडीएस) बना कर और सन् 2020 में जनरल रावत को नियुक्त कर खत्म किया। शायद इसलिए क्योंकि गुजरात से आए नरेंद्र मोदी ने अपनी कमी (सीधे बात करने, निर्देश देने, कैबिनेट में रियल विचार विमर्श निर्णय की क्षमता, विश्वास में कमी) को ढकने के लिए सीएमओ के ढर्रे पर खास–विश्वस्त एनएसए अजित डोवाल, पीएमओ के प्रमुख सचिव, विश्वस्त अमित शाह की कमांड बनाई तो सेना के लिए भी एक विश्वस्त की जरूरत थी। सो, वे बतौर सुरक्षा सलाहकार अजित डोवाल (आईपीएस अफसर) को मन की बात कहें। उसे डोवाल सेनाध्यक्ष, सीडीएस को सुनाए और सीडीएस फिर थल, वायु, नौ सेना के प्रमुखों को हुकूम दे। इस कमांड चेन के अनुभव पुलवामा, गलवान, डोकलाम, ऑपरेशन सिंदूर में झलके हैं। वैश्विक तौर पर भारत की सैन्य क्षमता पोली हुई मानी गई है।

सो, नेहरू ने भारत को पाकिस्तान नहीं बनने देने के लिए निर्वाचित सरकार को सर्वेसर्वा बनाया। मगर हां, उन्होंने कल्पना नहीं की थी कि कभी कोई ऐसा प्रधानमंत्री भी होगा, जिसमें न तो कैबिनेट बैठक, कैबिनेट की सुरक्षा कमेटी में खुले मंथन की हिम्मत होगी। न सीधा आदेश मिलेगा। और ऑपरेशन भी होगा तो शर्तों के साथ। फिर भले सीमा की तरफ चीनी सैनिक, टैंक बढ़ रहे हैं तो सेनाधिकारियों के संग नफे–नुकसान पर विचार के बिना रक्षा मंत्री के जरिए अंत में संदेश भिजवा देंगे, जो उचित समझो, वह करो।

तापसी पन्नू को मृणाल ठाकुर ने दी पटखनी, अस्सी से आगे निकली दो दीवाने शहर में, ओ रोमियो का जलवा बरकरार

बॉलीवुड के लिए ये शुक्रवार बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक साबित नहीं हुआ। तापसी पन्नू की अस्सी, जिसे समीक्षकों से तो सराहना मिली, लेकिन दर्शकों को खींचने में ये फिल्म पहले दिन पूरी तरह विफल रही, वहीं युवाओं के बीच चर्चा बटोर रही मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी की दो दीवाने शहर में ने भी बॉक्स ऑफिस पर बेहद ठंडी शुरुआत की है। हालांकि, दो दीवाने शहर में की पहले दिन की कमाई ने अस्सी को पछाड़ दिया है।सैकनिल्क के मुताबिक, अस्सी ने अपने पहले दिन देशभर में मात्र 1 करोड़ रुपये कमाए। ये आंकड़ा इसलिए भी चिंताजनक है क्योंकि इस साल आई यामी गौतम की महिला केंद्रित की छोटे बजट की फिल्म हक भी कमाई के मामले में इससे आगे रही। इसने भी 1.75 करोड़ रुपये बटोरे थे। मुल्क और थप्पड़ जैसी सफल फिल्मों के बाद निर्देशक अनुभव सिन्हा और तापसी इस बार अस्सी लेकर आए, जिसे तारीफ तो खूब मिली, लेकिन दर्शक नसीब नहीं हुए।फिल्म समीक्षकों और ट्रेड पंडितों का स्पष्ट मानना है कि अस्सी जैसी गंभीर और विषय–प्रधान फिल्मों का भविष्य पूरी तरह से वर्ड ऑफ माउथ यानी दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया पर निर्भर करता है। पहले दिन की सुस्त शुरुआत के बाद फिल्म के पास संभलने के लिए अब केवल वीकेंड का ही सहारा है।

ऋचा चड्ढा ने बयां किया करियर का शुरुआती अनुभव

अभिनेत्री और निर्माता ऋचा चड्ढा ने अपने करियर की शुरुआत के दौरान एक कड़वे अनुभव को साझा किया है। उन्होंने बताया कि जिस व्यक्ति पर वह बहुत भरोसा करती थीं, उसने उनके हितों के खिलाफ काम किया और उन्हें धोखा दिया था। ऋचा ने बताया कि इस घटना से उन्हें यह सबक मिला कि हर कोई आपका ध्यान नहीं रख सकता या आपके बारे में नहीं सोच सकता। ऋचा ने कहा, अपने करियर की शुरुआत में मुझे यह कड़वा सबक मिला कि हर कोई आपका इतना ध्यान नहीं रखता। मैं भोली थी। कुछ लोग थोड़े से अंतर से भी खतरा महसूस करते हैं और नहीं चाहते कि आप उनसे आगे निकल जाएं या उनकी स्पॉटलाइट छीन लें। यह अनुभव उनके लिए काफी परेशान करने वाला था, लेकिन इससे उन्होंने अपनी पसंद का बचाव करना और सही लोगों पर भरोसा करना सीखा।

जिम्बाब्वे–वेस्टइंडीज पर जीत बावजूद सेमीफाइनल में नहीं पहुंच पाएगा भारत?

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम को टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर–8 के अपने पहले मैच में हार का सामना करना पड़ा। साउथ अफ्रीका ने भारत को 76 रनों से मात दी। इसके बाद अब टीम इंडिया के सुपर–8 में 2 मैच बचे हैं, जो भारत के लिए 'करो या मरो' जैसे होने वाले हैं। टीम इंडिया भले ही अपने दोनों मैच जीत ले लेकिन इसके बावजूद उनका सेमीफाइनल में खेलना पक्का नहीं होगा और दूसरी टीमों के परिणामों पर निर्भर रहना पड़ सकता है। अगर साउथ अफ्रीका अपने आने वाले एक भी मैच में हार झेलती है, तो टीम इंडिया के लिए सेमीफाइनल में जगह बनाना मुश्किल होने वाला है। ऐसी स्थिति में भारत को दूसरी टीमों के परिणामों पर निर्भर रहना पड़ सकता है क्योंकि टीम इंडिया के रन रेट पर 76 रनों की हार ने करारी चोट पहुंचाई है। ऐसे में अब आइए जानते हैं कि भारत कैसे अपने दोनों मैचों को जीतने के बावजूद भी सेमीफाइनल से बाहर हो सकता है?

भारत का रन रेट बेहद खराब

भारतीय टीम को सुपर–8 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 76 रनों की करारी हार का सामना करना पड़ा। इसने सूर्या एंड कंपनी के नेट रन रेट पर बड़ा असर किय है। भारत का रन रेट इस समय –3.8 का है और अगर इसे टीम इंडिया को सकारात्मक करना है, तो उन्हें अपने दोनों मैचों में बड़ी जीत हासिल करनी होगी। टीम इंडिया के लिए ये आसान नहीं होने वाला है क्योंकि इस ग्रुप में वो टीमें शामिल हैं, जो ग्रुप स्टेज में पहले स्थान रही थी, जिससे मुकाबला कड़ा हो सकता है।

दोनों मैच जीतने के बावजूद बाहर हो सकता है भारत?

भारत के खिलाफ जीत के बाद साउथ अफ्रीका की टीम पहले स्थान पर पहुंच गई है।

सेयोन का टीजर हुआ रिलीज, कमल हासन की फिल्म में नए अंदाज में नजर आए शिवकार्तिकेयन

कमल हासन की फिल्म सेयोन का दमदार टीजर रिलीज हो चुका है। टीजर में शिवकार्तिकेयन भगवान विरुमंदी के रूप में नजर आए। इस फिल्म के निर्देशक शिवकुमार मुरुगेसन हैं और फिल्म का निर्माण कमल हासन ने किया है। शिवकार्तिकेयन का 41वां जन्मदिन के मौके पर निर्माताओं ने उनकी नई फिल्म सेयोन का पहला टीजर रिलीज किया है। यह टीजर काफी दमदार है और शिवकार्तिकेयन के फैंस को बेहद पसंद आ रहा है। टीजर में शिवकार्तिकेयन एक बहुत ताकतवर और लगभग भगवान जैसे किरदार में नजर आ रहे हैं, जिसे लोग भगवान विरुमंडी कहकर बुलाते हैं। कहानी एक गांव के मंदिर उत्सव (मासी कलारी) के दौरान शुरू होती है, जहां पुलिस एक झगड़े की जांच कर रही है। लोग एक रहस्यमयी व्यक्ति के बारे में बात करते हैं। जब शिवकार्तिकेयन का किरदार थाने पहुंचता है, तो लोग उनके पैर छूते हैं और बहुत सम्मान से स्वागत करते हैं। एक पुलिस इंस्पेक्टर कहता है, ये भगवान विरुमंडी हैं। एक बुजुर्ग महिला चिल्लाती है, ओजी वापस आ गया है। इसके बाद एक झड़प होती है, जिसमें उनका किरदार किसी से हाथापाई करता है। देखते ही देखते यह पूरा सीन जोरदार एक्शन में बदल जाता है। फिल्म का नाम सेयोन है और इसमें विरुमंडी का जिक्र कमल हासन की पुरानी फिल्म विरुमंडी (2004) से जोड़ा गया है, जिसमें उन्होंने मुख्य भूमिका निभाई थी।

जसप्रीत बुमराह ने रचा इतिहास, टी–20 विश्व कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय बने

नईदिल्ली, टी–20 विश्व कप 2026 के 43वें मुकाबले में जसप्रीत बुमराह ने इतिहास रच दिया। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इस अहम मुकाबले में भारतीय तेज गेंदबाज ने 4 ओवर में सिर्फ 15 रन देकर 3 विकेट झटके। इसके साथ ही बुमराह टी–20 विश्व कप के इतिहास में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। उन्होंने इस मामले में पूर्व दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को पीछे छोड़ा है। ऐसे में आइए उनके आंकड़ों पर एक नजर डालते हैं। अश्विन ने भारत के लिए 17.25 की औसत से 32 विकेट चटकाए हैं। वहीं, बुमराह के अब 13.36 की औसत से 33 विकेट हो गए हैं। अर्शदीप सिंह, जिन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में 28 रन देकर 2 विकेट लिए। उन्होंने अश्विन की बराबरी कर ली है और उनके भी इस टूर्नामेंट में 32 विकेट हो गए हैं। इस सूची में चौथे स्थान पर हार्दिक पांड्या हैं।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ भारत की हार पर खूब खुश हो रहे पाकिस्तानी खिलाड़ी

नई दिल्ली। डेविड मिलर की शानदार बल्लेबाजी और मार्को जैंसन की गेंदबाजी के दम पर साउथ अफ्रीका ने अहमदाबाद में भारत को 76 रनों से करारी हार थमाई। भारत की शर्मनाक हार पर अब पाकिस्तान के पूर्व स्पिनर सकलैन मुश्ताक खुश हो रहे हैं। उनका कहना है कि साउथ अफ्रीका ने सिर्फ हराया नहीं है बल्कि भारत और सूर्यकुमार यादव का अपमान किया है। प्रोटीज के खिलाफ हार के बाद अब भारत के लिए सेमीफाइनल की राहें भी कठिन हो गई हैं। मुश्ताक का कहना है कि साउथ अफ्रीका ने भारत को हर विभाग में पटखनी दी है। मुश्ताक पहले ऐसे प्लेयर नहीं हैं, जिन्होंने भारत के हारने पर खुशी मनाई है। इससे पहले मोहम्मद आमिर का भी मानना था कि भारत सेमीफाइनल में नहीं पहुंच पाएगा। उनकी ये भविष्यवाणी भारत के हार के साथ शायद सच हो सकती है क्योंकि टीम इंडिया के लिए अब हर मैच नॉकआउट की तरह हो गया है। इसी वजह से मुश्ताक भी भारत की हार पर खुश हो रहे हैं।

सकलैन मुश्ताक भारत की हार पर हुए खुश

पाकिस्तान के एक शो पर बात करते हुए मुश्ताक ने कहा, "भारत के खिलाफ साउथ अफ्रीका की सारी योजनाएं कामयब रहीं। उन्होंने टीम इंडिया को एक तरह से जमीन पर घसीटा, बुरी तरह पीटा और सच कहूं, तो उनको अपमानित किया है। भारत ने हाल ही में जो भी जोश दिखाया था, उसे साउथ अफ्रीका ने अब समाप्त कर दिया और सबक सिखा दिया है। साउथ अफ्रीका की बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग तीनों ही विभाग में योजनाएं कामयाब रहीं हैं।"

शोएब अख्तर ने भी दी प्रतिक्रिया

शोएब अख्तर भी भारतीय टीम के प्रदर्शन से खुश नहीं दिखाई दिए और उन्होंने कहा, "हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे और भारत के स्पिनर दबाव को झेल नहीं सके। भारत एक मजबूत टीम है लेकिन आज उनके मध्यक्रम की पोल खुल गई है। मेरा हमेशा से ही मानना है कि भारतीय टीम काफी मजबूत है और उनके मध्य क्रम को आज अपनी काबिलियत दिखाने का मौका था

एक नजर

चोरी की मोटर साइकिलों के साथ छः नाबालिग गिरफ्तार

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न वार्डों में हुई मोटर साइकिल चोरी के मामले में पुलिस ने छः नाबालिकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने नाबालिगों को किशोर न्याय बोर्ड में पेश किया, जहां से उन्हें बाल सुधार गृह में भेजा गया।

इस संबंध में एक दिन पूर्व कोटद्वार निवासी पिंटू सिंह, मोहित सालार व राजेश कुशवाहा की ओर से पुलिस को तहरीर दी। तहरीर में कहा गया कि शहर में अलग-अलग स्थानों से उनकी मोटर साइकिल चोरी हो गई है। घटना स्थल के आसपास सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर पुलिस को तीनों घटनाओं में छः नाबालिग नजर आए। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रदीप नेगी ने बताया कि नाबालिगों की पहचान कर उनसे पूछताछ की गई तो उन्होंने घटना को अंजाम देने की बात स्वीकारी, जिसके बाद पुलिस ने उनके कब्जे से मोटर साइकिल बरामद की। नाबालिगों ने पुलिस को बताया कि मौज-मस्ती व घूमने के लिए उन्होंने घटनाओं को अंजाम दिया। बताया कि वह मोटर साइकिल चोरी कर उन्हें क्षेत्र के अलग-अलग स्थानों में छिपाकर रखते थे और जब उन्हें घूमना होता था तो वह इन मोटर साइकिल का उपयोग करते थे।

युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर जताई चिंता

जयन्त प्रतिनिधि। श्रीनगर : गढ़वाल विवि के सामुदायिक भवन में हिंदू सम्मेलन आयोजन समिति की ओर से विराट हिंदू सम्मेलन आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. प्रकाश चमोली ने युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति और सोशल मीडिया की लत पर चिंता व्यक्त की। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से आई 35 कीर्तन मंडलियों ने भाग लिया। साथ ही समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पांच व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. सरिता उनियाल, डॉ. जसपाल खत्री, संरक्षक प्रो. मोहन पंवार, प्रो. राकेश कुंवर, संयोजक बीरबल सिंह चौहान एवं संदीप राणा ने किया। सम्मेलन में मुख्य वक्ता डॉ. जसपाल खत्री ने आगामी समय के लिए पंच परिवर्तन-पर्यावरण संरक्षण, कुटुंब प्रबोधन, स्व का बोध, सामाजिक समरसता और नागरिक कर्तव्य को अपनाने पर बल दिया। महिला वक्ता डॉ. सरिता उनियाल ने महिला सशक्तीकरण पर विचार रखे। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री रमेश पोखरियाल निशंक, मेयर आरती भंडारी, प्रो. मंजुला राणा, प्रदीप राणा, अक्षितेश नैथानी आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

शताब्दी वर्ष आत्ममंथन और नवसंकल्प का अवसर

श्रीनगर गढ़वाल : अंजनीसैण के अंतर्गत रौड़धार में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि स्वामी शिवानंद गिरि महाराज ने कहा कि जब हिंदू समाज संगठित और जागरूक रहता है तभी राष्ट्र सशक्त और समृद्ध बनता है। युवाओं से उन्होंने भारतीय संस्कृति और परंपराओं को आत्मसात कर राष्ट्रहित में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। मुख्य वक्ता सह विभाग कार्यवाहक संजीव भट्ट ने कहा कि शताब्दी वर्ष केवल उत्सव नहीं, बल्कि आत्ममंथन और नवसंकल्प का अवसर है। कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्लॉक प्रमुख विनोद बिष्ट ने की। संचालन मनोज बागड़ी ने किया व कार्यक्रम संयोजक ज्ञान सिंह रावत रहे। इस अवसर पर टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय, अंजनीसैणी खंड के पालक जिला सेवा प्रमुख मुकेश लखेड़ा, जिला धर्म जागरण नरेश कोठियाल आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

देवलाणी मैदान में 25 फरवरी को लगेगा बहुउद्देशीय शिविर

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : जिलाधिकारी विशाल मिश्रा की अध्यक्षता में तहसील बसुकेदार के देवलाणी मैदान (बक्सीर) में आगामी 25 फरवरी को बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया जायेगा। शिविर के माध्यम से ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी मिलेगी और समस्याओं का समाधान होगा। इस शिविर में जनपद के समस्त विभागों द्वारा प्रतिभाग करते हुए अपने-अपने विभाग से संबंधित योजनाओं, कार्यक्रमों एवं सेवाओं की विस्तृत जानकारी आमजन को उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही पात्र लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं का मौके पर ही लाभ प्रदान किया जाएगा। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा अपने-अपने स्टाल एवं प्रदर्शनी लगाई जाएगी, जहां विभागीय कार्मिकों द्वारा स्थानीय जनमानस को जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी तथा लोगों की समस्याओं को सुना एवं मौके पर ही उनका निराकरण किया जाएगा। यह शिविर विशेष रूप से दूरस्थ क्षेत्र के ग्रामीणों के लिए लाभकारी सिद्ध होगा,

हर दिन बदल रहा मौसम, बिगड़ रही सेहत

दिन में गर्मी व सुबह-शाम हो रही ठंड ने बिगाड़ी सेहत, बेस अस्पताल में लगातार बढ़ रहे सर्दी-जुकाम के मरीज

कोटद्वार के राजकीय बेस चिकित्सालय में ओपीडी की पर्ची बनाने की लिए लगी लाइन

यह हैं वायरल के लक्षण

तेज बुखार आना, ठंड लगना, नाक से पानी आना, गले में खरास, हल्की खांसी वायरल के मुख्य कारण है। ऐसे में बुजुर्ग व बच्चों का विशेष ध्यान रखा जाना आवश्यक है।

वायरल से बचाव के तरीके

वायरल से बचाव के लिए पानी को हल्का उबाल कर पीना चाहिए। घर के आसपास पानी जमा न होने दें। बुखार की शिकायत होने पर तुरंत चिकित्सक की सलाह लें। रेस्टोरेंट में खाने से परहेज रखें। दिन में धूप या गर्मी लगने पर अचानक पूरे गर्म कपड़े पहनना न छोड़े।

ठंडी तासीर वाली चीजें जैसे कोल्ड ड्रिक और फ्रिज के पानी के सेवन से अभी परहेज रखें।

बच्चों के लिए सावधानी

– सुबह बच्चों को स्कूल भेजते समय पर्याप्त गर्मी कपड़े पहनाकर रखें
– बच्चों को आईसक्रीम, फास्टफूड या फ्रीज में रखा खाद्य पदार्थ न दें
– सर्दी-जुकाम या बुखार होने पर तुरंत चिकित्सक की सलाह ले।

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : सुबह शाम ठंड व दिन के समय गर्मी आमजन को बीमार रह रही है। हालत यह है कि इन दिनों राजकीय बेस चिकित्सालय के साथ ही निजी अस्पतालों में सर्दी-जुकाम व बुखार के मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। बेस अस्पताल में हर रोज डेढ़ सौ से दो सौ मरीज बुखार के पहुंच रहे हैं। छोटे बच्चे भी वायरल बुखार की चपेट में आ रहे हैं।

फरवरी माह के अंत में मौसम भी अपना रूख बदलने लगा है। दोपहर के समय धूप से जहां हल्की गर्मी का एहसास हो रहा है। वहीं, सुबह-शाम अब भी ठंड बरकरार है। अचानक तापमान में आए बदलाव से सर्दी-जुकाम व बुखार के मरीजों में इजाफा हो गया है। सुबह से ही अस्पतालों में पर्ची बनवाने के लिए मरीजों की लंबी लाइन लग रही है। चिकित्सकों की मानें तो मौसम व तापमान में आ रहे बदलाव के कारण शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है, जिससे बीमार होने का खतरा बढ़ जाता है।

मार्ग एलीवेटेड नहीं बना तो सड़क पर उतरेंगे लोग

लालढांग-चिलरखाल मोटर मार्ग पर धरना देते लोग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : लालढांग-चिलरखाल मोटर मार्ग को एलीवेटेड बनाने व व्यवसायिक वाहनों के लिए खोलने की मांग को लेकर लोगों का धरना सोमवार को भी जारी रहा। लोगों ने जल्द मार्ग एलीवेटेड नहीं बनने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी।

सोमवार को लोगों ने चिलरखाल वन चौकी के समीप धरना दिया। कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए लालढांग-चिलरखाल मोटर मार्ग अति महत्वपूर्ण है। 12 फरवरी को न्यायालय ने मोटर मार्ग निर्माण की स्वीकृति दी। लेकिन, मार्ग पर व्यवसायिक वाहनों के आवागमन पर अब भी संशय बना हुआ है। कहा कि क्षेत्रवासी चाहते है कि मार्ग को एलिवेटेड बनाकर इसे व्यवसायिक वाहनों के लिए खोला जाएं। मार्ग के बेहतर निर्माण से ही आमजन को इसका लाभ मिलेगा। साथ ही इससे क्षेत्र में बंद पड़ा विकास का पहिया भी तेजी से घूमेगा। मार्ग निर्माण से जहां सिगड्डी के व्यापार को गति मिलेगी, वहीं कण्वाश्रम को भी नई पहचान मिलेगी। कहा कि सरकार को इस ओर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। जब तक आमजन की समस्या का निराकरण नहीं होता वह आंदोलन में डटे रहेंगे।

शिक्षक संघ ने मुद्दों पर की चर्चा, निराकरण की मांग

जयन्त प्रतिनधि।

कोटद्वार : जूनियर हाईस्कूल (पूमा) शिक्षक संघ ने देहरादून में शिक्षा निदेश-ाक अजय नौडियाल से हुई मारपीट सहित अन्य मुद्दों को लेकर चर्चा की। कहा कि अधिकारी के साथ इस तरह की घटना चिंता का विषय है। इस दौरान कुछ दिन पूर्व उमरेला में शिक्षक व जनप्रतिनिधि के बीच हुए विवाद पर भी रोष व्यक्त किया गया। कहा कि जनप्रतिनिधि। शिक्षक की छवि को धूमिल करना चाहते हैं।

आयोजित बैठक में वक्ताओं ने देहरादून में शिक्षा निदेशक अजय नौडियाल से हुई मारपीट की घटना पर रोष व्यक्त किया। कहा कि विधायक की मौजूदगी में शिक्षा निदेशक से मारपीट की गई। यह घटना चिंता का विशेष है। बैठक में शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2011 के लागू होने से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को टीईटी परीक्षा पास करने की बाध्यता से मुक्त रखने की भी मांग उठाई। कहा कि सरकार को शिक्षकों की समस्याओं के निराकरण के लिए गंभीरता से कार्य करना चाहिए। वहीं, संघ ने कुछ दिन पूर्व उमरेला में पानी को लेकर हुए विवाद में जनप्रतिनिधि पर शिक्षक की छवि खराब करने का आरोप लगाया। कहा कि शिक्षक का अपमान किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस मौके पर संघ के जिलामंत्री भोपाल सिंह रावत, कुंवर सिंह रावत, दीवान सिंह रावत, लक्ष्मण सिंह नेगी, नागेंद्र डोबरियाल, हुकुम सिंह, चंद्रमोहन बिष्ट, रश्मि बिष्ट, राकेश मोहन, संदीप गुसाईं, पूरन सिंह, कुलदीप रावत, कैलाश थपलियाल, दिनेश सोनी, शैलेंद्र जोशी, विपिन चौहान, जयवीर पयाल आदि मौजूद रहे।

गर्मी से पहले पानी को तरसे काशीरामपुर तल्ला के लोग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : गर्मी से पहले ही क्षेत्र में पेयजल संकट गहराने लगा है। सोमवार को काशीरामपुर तल्ला के लोगों ने जल संस्थान कार्यालय में पहुंचकर प्रदर्शन किया। कहा कि क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति नहीं होने से वार्डवासियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सोमवार को वार्डवासी बुद्धा पार्क के समीप जल संस्थान कार्यालय में पहुंचे। जहां उन्होंने प्रदर्शन किया। पार्षद सूरज प्रसाद कांति ने कहा कि अभी तो गर्मी ठीक से शुरु भी नहीं हुई है और वार्डवासियों को पेयजल समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र में पिछले चार दिनों से पानी नहीं आ रहा है। नतीजा, लोगों को पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। सबसे अधिक परेशानी बुजुर्ग लोगों को हो रही है। कहा कि क्षेत्र में दशकों पुरानी पेयजल लाइनों के कारण जगह-जगह से लीकेज हैं, जिस कारण घरों में पानी नहीं आ रहा है।

कोटद्वार में जल संस्थान कार्यालय के समीन प्रदर्शन करते काशीरामपुर तल्ला के वार्डवासी।

कहा कि जब क्षेत्रवासियों को पानी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है तो ऐसे में पानी के बिलों को निरस्त कर देना चाहिए। उन्होंने जल संस्थान के अधिकारियों से क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है। इस मौके पर नीता नेगी, सरोजनी रावत, परमेश्वरी गुंसाई, नीलम कुकरेती, जगत सिंह बिष्ट, सुनीता रावत मौजूद रहे।

अदालती सूचना

न्यायालय असि0 कलेक्टर प्रथम श्रेणी बारहस्यूं पौड़ी

वाद सं0 06/2025-2026
वादी- अंकित रावत
बनाम
प्रतिवादी- समस्त सहखातेदार आदि

समन्/नोटिस बनाम् 1- विजय सिंह पुत्र राम सिंह, 2- गजेन्द्र सिंह पुत्र राम सिंह, 3- कुसुम देवी पत्नी सुरेन्द्र सिंह, 4-नितिन पुत्र सुरेन्द्र सिंह, 5- विपिन पुत्र सुरेन्द्र सिंह, 6- हिमांशु पुत्र दलीप सिंह, 7- वृजराज सिंह पुत्र दयाल सिंह, 8-जगमोहन सिंह पुत्र दयाल सिंह, 9- वीरेन्द्र सिंह पुत्र दयाल सिंह, 10- रविन्द्र सिंह पुत्र कोतवाल सिंह, 10- बीरेन्द्र सिंह पुत्र कोतवाल सिंह, 11- धीरेन्द्र सिंह पुत्र कोतवाल सिंह, 12- पार्वती देवी पत्नी कोतवाल सिंह, 13- प्रेम सिंह पुत्र गयाल सिंह उर्फ गबर सिंह, 14- सते सिंह पुत्र गयाल सिंह उर्फ गबर सिंह, 15- वीरेन्द्र सिंह पुत्र कलम सिंह, 16-देवेन्द्र सिंह पुत्र कलम सिंह, 17- सरोजनी देवी पत्नी कलम सिंह, 18- ठाकुर सिंह पुत्र श्याम सिंह, 19- बलवान सिंह रुपचन्द्र, 20- परमेश्वरी देवी पत्नी सुल्तान सिंह, 21- मकान सिंह पुत्र वीर सिंह, 22- जगमोहन सिंह पुत्र वीर सिंह, 23- अर्जुन सिंह पुत्र नारायण सिंह, 23/1- शोभा देवी पत्नी अर्जुन सिंह, 23/2- प्रदीप सिंह, 23/3-संदीप सिंह, 23/4- अमित सिंह पुत्रगण अर्जुन सिंह, 24- माणिक लाल पुत्र श्याम लाल, 25- राम लाल दिलू 26- इन्द्र लाल पुत्र दिलू, 26/1- कान्ती देवी पत्नी इन्द्र लाल 26/2- अर्जुन कुमार पुत्र इन्द्र लाल, 26/3- बृजमोहन पुत्र इन्द्र लाल, 26/4- मनमोहन सिंह पुत्र इन्द्र लाल, 27- विनोद कुमार पुत्र मैताब सिंह, 28- सतीश सिंह पुत्र मैताब सिंह, 29- देवेन्द्र सिंह पुत्र मैताब सिंह, 30- गोदाम्बरी देवी विधवा मैताब सिंह, 31- माला देवी पत्नी कमली, 32-भम्पा पत्नी बली, 33- कमला देवी पत्नी जगदीश, 34- संजू पुत्र जगदीश, 35- अंजू पुत्र जगदीश, 36- विजय पुत्र जगदीश, 37 रामेश्वर पुत्र बली, 38-लाल सिंह पुत्र शंकर सिंह, 38/1- शिव सिंह पुत्र लाल सिंह उर्फ लाटा सिंह, 38/2- वैजन्ती देवी पत्नी जगदीश सिंह पुत्रवधु लाल सिंह उर्फ लाटा सिंह, 38/3-सुमित सिंह, 38/4- अरुण सिंह पुत्रगण जगदीश सिंह पौत्रगण लाल सिंह उर्फ लाटा सिंह, 39- शैलसुमन पत्नी डा0 अशोक कुमार, 40- माला देवी पत्नी कमली, 41- रजनी देवी पत्नी गिरीशचन्द्र. समस्त निवासीगण ग्राम खोला, पट्टी सितोनस्यूं-04, तहसील पौड़ी, जनपद पौड़ी गढ़वाल।

चूंकि वादी अंकित रावत पुत्र दलीप सिंह निवासी ग्राम खोला पट्टी, सितोनस्यूं-04, तहसील पौड़ी, जनपद पौड़ी गढ़वाल द्वारा मेरे न्यायालय में एक वाद अन्तर्गत धारा 143 उ0प्र0ज0वि0 एवं भू0सु0अधि0 के तहत ग्राम खोला, पट्टी सितोनस्यूं-04 तहसील ,पौडी जनपद पौड़ी गढ़वाल की खतौनी खाता सं0 154 के खसरा सं0 175 रक्वा 0.030 हे0 मध्ये रक्वा 0.020 को आवासीय प्रयोजनार्थ हेतु अकृषक घोषित कराये जाने हेतु योजित किया है जिसमें आपत्ति हेतु दि0 28.02.2026 की तिथि नियत है।

अतः आपको इस नोटिस के जरिए सूचित किया जाता है कि आप दि0 28.02.2026 को समय 1:00 बजे अपराह्न को न्यायालय में हाजिर होकर पैरवी करें। अन्यथा मामले में एक पक्षीय कार्यवाही की जायेगी।.

आज दि0 23/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुद्रा से जारी।

आज्ञा से
न्यायालय असि0 कलेक्टर प्रथम श्रेणी बारहस्यूं पौडी

राहुल गांधी ने दीपक कुमार से की मुलाकात, कोटद्वार आकर लेंगे सदस्यता

दिल्ली में दीपक से मुलाकात करते राहुल गांधी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कोटद्वार के पटेल मार्ग में दुकान का नाम बदलने को लेकर हुए विवाद के बाद चर्चाओं में आए ह्यमोहम्मदद्ध दीपक कुमार से सोमवार को दिल्ली में लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने भेंट की।

इस दौरान राहुल गांधी ने पुनः दीपक कुमार को इंसानियत की मिसाल बताया। कहा कि वह कोटद्वार पहुंचकर दीपक के जिम की भी सदस्यता लेंगे। बताते चलें कि बीती 26 जनवरी को पटेल मार्ग स्थित एक दुकान का नाम बदलने को लेकर विवाद हुआ। विवाद के दौरान कोटद्वार में जिम संचालक दीपक कुमार ने स्वयं को मोहम्मद दीपक बताते हुए दूसरे पक्ष से शांति बनाए रखने की अपील की। इस दौरान दोनों पक्षों में हाथापाई भी हुई। स्वयं को मोहम्मद दीपक बताने वाला वीडियो 28 जनवरी से सोशल मीडिया पर वायरल होने शुरू हो गया।

हिंदू संगठनों ने किया था प्रदर्शन

घटना के चार दिन बाद 31 जनवरी को देहरादून सहित अन्य स्थानों से पहुंचे हिंदू संगठनों ने 26 जनवरी के दिन हिंदू संगठनों पर हमला करने वालों की गिरफ्तारी को लेकर कोटद्वार में प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन के बाद दुकान स्वामी पटेल मार्ग निवासी वकील अहमद ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह पिछले 30 साल से 'बाबा स्कूल ड्रेस' नाम से दुकान चला रहे हैं। आरोप है कि 26 जनवरी 2026 को तीन-चार युवक उनकी दुकान में घुसे और खुद को बजरंग दल का सदस्य बताते हुए दुकान का नाम बदलने की धमकी दी। अहमद के मुताबिक नाम न बदलने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी गई। बजरंग दल से जुड़े कोटद्वार निवासी कमल पाल की तहरीर पर जिम संचालक दीपक उर्फ अक्की, विजय रावत एवं उनके अन्य साथियों के विरुद्ध गाली-गलौज करते हुए जाति-सूचक शब्दों का प्रयोग करने तथा जान से मारने की नीयत से हमला करने के संबंध में मुकदमा किया गया है। इसके अलावा पुलिस की तरफ से सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने, नेशनल हाईवे जाम करने और पुलिस से मारपीट के आरोप में 30-40 अज्ञात लोगों पर मामला दर्ज किया गया।

राहुल गांधी की हुई एंट्री

इस घटना के बाद मामले में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की एंट्री हुए। सोशल मीडिया में राहुल गांधी ने दीपक को भारत का हीरो बताया। राहुल गांधी ने लिखा कि दीपक संविधान और इंसानियत के लिए खड़े हैं और नफरत के माहौल में मोहब्बत की दुकान का प्रतीक हैं। सोमवार को राहुल गांधी ने दिल्ली में दीपक कुमार से मुलाकात की। अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के संचार विभाग के सचिव वैभव वालिया के नेतृत्व में हुई इस मुलाकात के दौरान राहुल गांधी ने दीपक का उत्साहवर्धन किया। बताया कि यह मुलाकात केवल एक व्यक्ति का सम्मान नहीं, बल्कि समाज में मानवता, करुणा और सेवा भाव की भावना का सम्मान है। इस मौके पर महानगर कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष संजय मित्तल, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष विजय रावत, अमित राज, नीरज बहुगुणा और वसीम अहमद उपस्थित रहे।

गांव में धमका हाथी, केले के पेड़ व दीवार की तबाह

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : जंगल से सटे आबादी क्षेत्रों में हाथियों की धमक थमने का नाम नहीं ले रही। नैनीडांडा के अंतर्गत ग्राम झुंडग में हाथी ने आबादी में पहुंचकर खूब उत्पात मचाया। हाथी ने काश्तकार के केले के पेड़ तबाह कर दिए साथ ही सुरक्षा दीवार को भी नुकसान पहुंचाया। ग्रामीणों ने वन विभाग से जंगली जानवरों के आतंक से निजात दिलवाने की मांग की है। झुंडग गांव कार्बेट टाइगर रिजर्व के बफर जोन से सटा हुआ है। यही कारण है कि यहां आए दिन जंगली जानवरों की धमक बनी रहती है। रात के समय जंगली जानवर आबादी में पहुंच कर ग्रामीणों की फसल बर्बाद कर रहे हैं। काश्तकार अजय कुमार ने बताया कि रात करीब दो बजे एक हाथी जंगल से निकलकर उनके खेतों में पहुंचा। हाथी ने उनके केले को पेड़ तोड़ने के साथ ही उनके खेतों के लिए बनी सुरक्षा दीवार को भी तोड़ दिया। कहा कि खेती बर्बाद होने से उन्हें आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है। नुकसान की शिकायत करने के लिए उन्होंने वनाधिकारियों को फोन किया। लेकिन, अधिकारी उनका फोन नहीं उठा रहे। ऐसे में ग्रामीणों के समक्ष बड़ी समस्या खड़ी हो रही है। हाथी के डर से काश्तकार खेती छोड़ने को मजबूर हो रहे हैं।

नैनीडांडा प्रखंड के अंतर्गत झुंडग गांव में हाथी द्वारा बर्बाद की गई केले की फसल

मुंशी हरि प्रसाद टम्टा को किया याद

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : शिल्पकार आंदोलन के प्रणेता मुंशी हरि प्रसाद टम्टा की पुण्यतिथि पर शैलशिल्पी विकास संगठन ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कहा कि समाज के बेहतर उत्थान के लिए दिए गए टम्टा के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। सोमवार को सिम्मलचौड़ में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शैलशिल्पी विकास संगठन प्रदेश अध्यक्ष विकास कुमार आर्य ने कहा कि मुंशी हरिप्रसाद टम्टा ने समाज को बेहतर राह देने का कार्य किया है। उन्होंने वंचित समाज में जागरूकता पैदा करने व उनके अधिकारों के लिए संघर्ष किया। कहा कि उन्होंने जीवनपर्यंत सामाजिक सुधार के उत्कृष्ट कार्य किए। उनकी सामाजिक सेवाओं को देखते हुए अंग्रेजी हुकूमत ने भी उन्हें कई बार सम्मानित किया गया। समाज के बेहतर विकास के लिए दिया गया उनका योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। कहा कि युवाओं को महापुरुषों के बताए मार्ग पर चलना चाहिए। इस मौके पर पूर्व प्रधानाचार्य मनवर लाल भारती, जीवन कुमार जोनी, केसीराम निराला, अरविंद कुमार, मिथलेश कुमार, शुभम,हर्ष कुमार, आशीष कुमार, सचिन कुमार मौजूद रहे।

कोटद्वार के सिम्मलचौड़ स्थित कार्यालय में मौन धारण कर मुंशी हरि प्रसाद टम्टा को श्रद्धांजलि देते शैलशिल्पी विकास संगठन के सदस्य

गंगोत्री हाईवे : नगुण पुल के पास डेंजर जोन का नहीं हुआ ट्रीटमेंट

उत्तरकाशी। चिन्यालीसौड़ में नगुण पुल के पास स्थित डेंजर जोन का ट्रीटमेंट अब तक नहीं होने से आगामी चारधाम यात्रा में यात्रियों की मुश्किलें बढ़ सकती है। गंगोत्री और यमुनोत्री धाम को जोड़ने वाले गंगोत्री हाईवे के शुरुआती हिस्से में मौजूद नगुण भूस्खलन जोन वर्षों से आम लोगों और तीर्थयात्रियों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। चारधाम यात्रा शुरू होने में लगभग डेढ़ माह का समय शेष है लेकिन नगुण क्षेत्र में स्थायी उपचार कार्य शुरू होता नहीं दिख रहा। पिछले वर्ष भी भूस्खलन के कारण सड़क बंद होने से यात्रियों को रात आसपास के होटलों और अपने वाहनों में गुजारनी पड़ी थी। कार्यदायी संस्था बीआरओ ने स्लाइड जोन के स्थायी समाधान के लिए डीपीआर तैयार कराने की प्रक्रिया शुरू की है। बीआरओ ने इसके लिए टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड को डीपीआर तैयार कर केंद्र सरकार को भेजने को कहा है। बीआरओ के कमांडर राजकिशोर के अनुसार, नगुण सहित अन्य स्लाइड जोन के उपचार के लिए डीपीआर स्वीकृत होने के बाद कार्य प्रारंभ किया जाएगा। फिलहाल सड़क पर यातायात सुचारू बनाए रखने के लिए हर समय मशीनें तैनात रखने की बात कही गई है। हालांकि, डीपीआर स्वीकृति और कार्य प्रारंभ होने में समय लग सकता है। ऐसे में इस यात्रा सीजन में यात्रियों को तत्काल राहत मिलने की उम्मीद कम दिख रही है।

वन भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश

उत्तरकाशी। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने सोमवार को जिला मुख्यालय में जल जीवन मिशन के तहत वन भूमि हस्तांतरण से जुड़े विभिन्न प्रकरणों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान उन्होंने स्वीकृत पेयजल योजनाओं के लिए आवश्यक वन भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों वन भूमि हस्तांतरण के सभी लंबित प्रस्तावों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करने को कहा, ताकि पेयजल योजनाओं का कार्य जल्द पूरा हो सके। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय स्थापित कर वन भूमि हस्तांतरण से संबंधित औपचारिकताओं को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया में पर्यावरण संरक्षण के सभी मानकों का कड़ाई से पालन करें जिससे पेयजल योजनाओं के क्रियान्वयन में वन भूमि संबंधी बाधाएं दूर की जा सकें। बैठक में डीएफओ डीपी बलूनी, रवींद्र पुंडीर, एसई लोनिवि विजय कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी वीसी के माध्यम से जुड़े।

छावनी परिषद् लैन्सडौन

निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छावनी परिषद् लैन्सडौन द्वारा स्वीकृत तिथि से 05 वर्ष हेतु छावनी परिषद् लैन्सडौन के सर्वे सं0 217 में स्थित दुकान, निकट सैनिक कल्याण कार्यालय पर बनी जो कि टीन से निर्मित है, को टी शॉप/खाघय प्रायोजन एवं (Tea Shop/Food purpose) एवं दुकान सं0 06 (हेयर कटिंग/सैलून), सर्वे सं0 202 में स्थित शॉपिंग काम्पलेक्स में हिमांचल फार्मेसी के मध्य के संचालन हेतु लीज पर दिये जाने हेतु सील बन्द निविदा आमंत्रित की जाती है जो दिनाँक 17/03/2026 को समय 15:00 बजे टेण्डर बाक्स में डाली जा सकती है। जो उसी दिन समय 15:30 बजे खोली जाएगी। निविदा फार्म दिनांक 16/03/2026 तक समय 17:00 बजे तक प्राप्त किये जा सकते है साथ ही अधिक जानकारी हेतु किसी भी कार्यदिवस में दिनांक 16/03/2026 तक सम्पर्क किया जा सकता है।

पंत्राक 2000/दु0स0/छा0प0 **मुख्य अधिशासी अधिकारी**
कार्यालय छावनी परिषद् लैन्सडौन **छावनी परिषद् लैन्सडौन**

संक्षिप्त समाचार

ज्योतिर्मठ : भू–धंसाव क्षेत्रों में स्थिरीकरण कार्यों के लिए पहुंची मशीनें

चमोली। भू–धंसाव प्रभावित क्षेत्रों में स्थिरीकरण कार्य के लिए लोनिवि की मशीनें ज्योतिर्मठ पहुंचने लगी हैं। जिस क्षेत्र में कार्य शुरू होना है वहां झाड़ी कटान का कार्य शुरू कर दिया गया है। जल्द मशीनों से काम शुरू कर दिया जाएगा। नगर क्षेत्र में भू–धंसाव की समस्या तीन साल पहले शुरू हुई थी। उसके बाद से नगर को बचाने के लिए स्थिरीकरण कार्य की मांग होती रही है। केंद्र सरकार की ओर ज्योतिर्मठ क्षेत्र में पुनर्वास और स्थिरीकरण कार्य के लिए बजट जारी किया। करीब 100 करोड़ के बजट से नगर के निचले क्षेत्र में मारवाड़ी से विष्णुप्रयाग के पास अलकनंदा नदी किनारे सिंचाई विभाग की ओर से सुरक्षा दीवार सहित अन्य कार्य किए जा रहे हैं। अब नगर में ढलान स्थिरीकरण के कार्य लोनिवि की ओर से किए जाने हैं। करीब 500 करोड़ के बजट से यहां पर कई कार्य होने हैं। वहीं एसडीएम चंद्रशेखर वशिष्ठ ने बताया कि नृसिंह मंदिर वार्ड में लोनिवि की ओर से कार्य शुरू किया जाना है। विभाग की मशीनें पहुंच गई हैं जल्द कार्य शुरू कर दिया जाएगा। इसके साथ ही नगर में ड्रेनेज और सीवरेज के कार्य भी शुरू किए जाएंगे।

गौचर पीएचसी के उच्चीकरण का प्रस्ताव महानिदेशक को भेजा

चमोली। मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गौचर के उच्चीकरण के लिए सभी मानकों को पूरा करते हुए, सीएमओ कार्यालय की ओर से प्रस्ताव स्वीकृति के लिए महानिदेशक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण देहरादून को भेज दिया गया है। क्षेत्रीय जनता और जनप्रतिनिधियों की मांग पर गौचर मेले के शुभारंभ पर सीएम पुष्कर सिंह धामी ने लगातार दो बार गौचर स्वास्थ्य केंद्र के उच्चीकरण की घोषणा की थी लेकिन स्वास्थ्य केंद्र का उच्चीकरण नहीं हो पाया। इस संबंध में व्यापार संघ अध्यक्ष राकेश लिंगवाल, जनकल्याण लोक सेवा समिति के अध्यक्ष सुनील पंवार ने सीएम से भेंट की थी। इसके बाद पालिका अध्यक्ष संदीप नेगी ने स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार के समक्ष गौचर स्वास्थ्य केंद्र के उच्चीकरण का मामला उठाया था। वहीं इस संबंध में सीएमओ डॉ. अभिषेक गुप्ता ने बताया कि गौचर स्वास्थ्य केंद्र के उच्चीकरण के लिए प्रस्ताव महानिदेशक स्वास्थ्य को भेज दिया गया है। स्वीकृति के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जैविक उत्पादों को स्टाल लगाकर बेचें काश्तकार : बुटोला

चमोली। बदरीनाथ विधायक लखपत बुटोला ने काश्तकारों को जैविक उत्पादों को बढ़ावा देने और मौसम के अनुसार खेती करने का आह्वान किया। विधायक ने ग्राम पंचायत दुर्मी में ग्रामोत्थान परियोजना (रीप) की ओर से आबंटित पहाड़ी स्वाद एंड लोकल फूड प्रोसेसिंग यूनिट का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने महिलाओं से बात कर जगह–जगह लगने वाले मेलों और शिविरों में स्थानीय उत्पादों के स्टाल लगाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि ग्रामोत्थान परियोजना काश्तकारों को जैविक उत्पादों के उत्पादन के लिए प्रेरित कर रहा है।

इस मौके पर कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष गोविंद सजवाण, विधायक प्रतिनिधि शैलेंद्र नेगी, पूर्व प्रधान मोहन नेगी, सचिन रावत, महिला मंगल दल अध्यक्ष मधु देवी, प्रेम सिंह फरस्वाण, गोविंद सिंह फरस्वाण और शकुंतला देवी आदि मौजूद रहे।

बसुकेदार मंदिर समूह का जीर्णोद्धार शुरू

रुद्रप्रयाग। बसुकेदार स्थित 12वीं से 13वीं सदी के मंदिर समूह का जीर्णोद्धार शुरू हो गया है। पुरातत्व विभाग की टीम की ओर से मंदिर के खंभों और छतों की मरम्मत कर, मंदिर की नक्काशीदार दीवारों, मूर्तियों और पत्थरों को मौसम, काई और प्रदूषण से बचाने के लिए विशेष रासायनिक लेप लगाया जा रहा है। साथ ही फोटोग्राफी के माध्यम से मंदिर का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार किया जा रहा है। जिले के सुदूरवर्ती गांव बसुकेदार में 12वीं से 13वीं सदी में यह ऐतिहासिक मंदिर समूह है। इस मंदिर समूह में छोटे–बड़े चौदह मंदिर हैं। मुख्य मंदिर शिवालय है जिसके गर्भगृह में शिवलिंग स्थापित है। यह मंदिर नागर शैली में निर्मित है। गर्भगृह के मंडप परिसर में गणेश की प्रतिमा स्थापित है। साथ ही नागदेवता के तांबे से बनी आकृतियां भी यहां हैं। मगर अनदेखी के कारण कई वर्षों से जीर्णशीर्ण स्थिति में पहुंच गया था। अब पुरातत्व विभाग की ओर से मंदिर के उपचार और जीर्णोद्धार का कार्य किया जा रहा है।

स्वयं सेवियों ने मालन नदी से साफ किया 30 क्विंटल कचरा

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : मानव सेवा और लोक कल्याण की भावना को साकार करते हुए संत निरंकारी मिशन द्वारा प्रोजेक्ट अमृत के तहत स्वच्छ जल स्वच्छ मन अभियान के चौथे चरण का शुभारम्भ रविवार से सुबह आठ बजे से ग्यारह बजे तक देशभर में किया गया। यह अभियान परम श्रद्धेय सद्गुरु माता सुदीक्षा महाराज के निर्देशानुसार कार्यान्वित किया गया है।

भाबर के कण्वाश्रम स्थित मालन नदी में आयोजित सफाई कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा के जिलाध्यक्ष राज गौरव नौटियाल और पार्षद जेपी बहुखंडी ने किया। संत निरंकारी मण्डल ब्रांच हल्दूखाता के मुखी सतेन्द्र सिंह बिष्ट ने बताया गया कि रविवार को सुबह आठ बजे से ग्यारह बजे तक ब्रांच हल्दूखाता के स्वयं सेवियों ने कण्वाश्रम स्थित मालन नदी की साफ सफाई की। बताया गया कि देशभर में यह अभियान 1500 से अधिक स्थानों पर एक साथ में संचालित हो रहा है। कण्वाश्रम में आयोजित सफाई अभियान में ब्रांच हल्दूखाता के 150 से अधिक स्वयं सेवियों ने प्रतिभाग कर करीब 800 मीटर क्षेत्र से 30 क्विंटल कचरा एकत्रित किया। कचरे को नगर निगम की सहायता से ट्रैक्टरों द्वारा भेजा गया। इस अवसर पर पार्षद सुखपाल शाह, सीता देवी, पूर्व प्रधान कृष्ण चंद, विनोद गौड़, यूनिट संचालक विनोद कोटला, माया अधिकारी, शिवानी शर्मा, महीपाल सिंह, रूपचंद गौड़, महावीर कोटला, राम सिंह आदि मौजूद रहे।

व्यक्तिगत और स्वस्थ वातावरण के लिए स्वच्छता जरूरी

जयन्त प्रतिनिधि।

थलीसैंण : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय थलीसैंण में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं नमामि गंगे के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय नियमित शिविर लगाकर महाविद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया।

शिविर का शुभारंभ राष्ट्रीय सेवा योजना के लक्ष्यगीत द्वारा किया गया। इस मौके पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विवेक रावत ने कहा कि व्यक्तिगत स्वच्छता और स्वस्थ वातावरण के लिए स्वच्छता बहुत महत्वपूर्ण है। हम सभी को अपने आस-पास की सफाई की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। कार्यक्रम की सह-प्रभारी डॉ. प्रमिल्ला चौहान ने कहा कि स्वच्छता से तन और मन दोनों स्वस्थ रहते है। हम सभी को स्वच्छता के नियमों का पालन करना चाहिए। इस अवसर पर स्वयं सेवकों ने महाविद्यालय परिसर एवं जल स्रोत के आसपास की साफ-सफाई की। मुख्य द्वार के अंदर की तरफ से खरपतवार को हटाया गया एवं कचरे में एकल उपयोग प्लास्टिक को इकट्ठा कर उसका निस्तारण किया गया। इस मौके पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. योगेन्द्र चन्द्र सिंह, कर्मचारी नरेश चन्द्र आदि उपस्थित रहे।

पनाई उत्तरों मार्ग पर 28 फरवरी तक आवाजाही बंद

चमोली। तहसील जिलासू के अंतर्गत जिलासू आली मोटर मार्ग भूस्खलन के कारण बंद हो गया था। अब इस मार्ग को खोला जाना है। इस दौरान मार्ग का मलबा आवाजाही के दौरान दूसरे मार्ग पर न गिरे इसलिए लोनिवि पोखरी की ओर से पीएमजीएसवाई के अधीन सेमी पनाई उत्तरों मार्ग को 18 से 28 फरवरी तक आवाजाही के लिए पूर्णत बंद किया है। इस दौरान लोनिवि की ओर से 5, 6 और 7 किमी तक सड़क से मलबा हटाकर इसे आवाजाही के लिए खोला जाएगा। लोगों की सुरक्षा को देखते हुए विभाग ने यह निर्णय लिया है। तहसील जिलासू के अंतर्गत ऐरास, झिलोटी, उत्तरों, मस्त, सरणा, सिवाई, पनाई आदि गांवों को पोखरी विकासखंड से जोड़ने वाला जिलासू आली मार्ग 2022 में भूस्खलन के कारण जगह–जगह बंद हो गया था। भूगर्भीय वैज्ञानिकों की ओर से सड़क का निरीक्षण करने के बाद सड़क को आवाजाही के लिए असुरक्षित बताया गया था जिसके बाद विभाग किसी अन्य वैकल्पिक मार्ग चयनित कर रहा है। अब ग्रामीणों की लगातार मांग पर मुख्य अभियंता की ओर से सड़क का निरीक्षण किया गया।

उन्होंने लोनिवि पोखरी को अस्थायी रूप से मार्ग खोलने के निर्देश दिए गए। इसके बाद विभाग की ओर से जगह–जगह पड़े मलबे को हटाया जा रहा है। इसलिए सेमी पनाई उत्तरों मार्ग को 18 से 28 फरवरी तक आवाजाही के लिए पूर्णत बंद किया है। वहीं सड़क खुलने से तहसील जिलासू के कई गांवों को पोखरी विकासखंड तक पहुंचने के लिए कई किमी की अतिरिक्त दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी।

एजुकेशन मिनिस्टीरियल ऑफिसर्स ने दिया धरना

उत्तरकाशी। देहरादून में प्रारंभिक शिक्षा निदेशक अजय कुमार नौडियाल पर हमले के बाद एजुकेशन मिनिस्टीरियल ऑफिसर्स एसोसिएशन के कर्मचारियों ने मारपीट और अभद्रता की निंदा की। इसके साथ ही उन्होंने विधायक और उनके समर्थकों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष जय प्रकाश गौड़ के नेतृत्व में कर्मचारी सीओ कार्यालय पहुंचे। संगठन के अध्यक्ष जय प्रकाश गौड़ ने बताया कि संघ इस तरह के अमानवीय व्यवहार की घोर निंदा करता है। वहीं, दूसरी और पुरानी पेंशन बहाली राष्ट्रीय आंदोलन के अध्यक्ष जय प्रकाश बिजल्वाण ने कहा कि यदि जल्द ही इस प्रकरण पर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई तो वह 25 फरवरी से समस्त कर्मचारी अनिश्चितकालीन धरने में चले जाएंगे।

अफसर समन्वय बनाते हुए मामलों का निस्तारण करें

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : 126 किमी. ऋषिकेश-कर्णप्रयाग नई ब्रॉड गेज रेल लाईन परियोजना के निर्माण, जनपद चमोली के अंतर्गत किए जाने वाले कार्यों के लंबित प्रकरणों के सम्बन्ध में सोमवार को जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में संबंधित अधिकारियों के साथ कलेक्ट्रेट में समीक्षा बैठक आयोजित हुई। जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी पोखरी, उपजिलाधिकारी कर्णप्रयाग एवं प्रभागीय वनाधिकारी बद्रीनाथ को निर्देशित किया कि संबंधित अधिकारी आपस में समन्वय बनाते हुए मामलों का तत्काल प्रभाव से निस्तारण की कार्रवाई करते हुए रिपोर्ट उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। ताकि लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जा सके।

बैठक में ग्राम बैडाणू, वाण एवं खत्यारी की चयनित भूमि को बद्रीनाथ वन प्रभाग के पक्ष में हस्तांतरित किए जाने, ग्राम कोलडा में निजी नाप भूमि के हितबद्ध व्यक्तियों को प्रतिकर वितरण की कार्रवाई पूर्ण करने, ग्राम सिवाई एवं लंगासी नाप भूमि की कार्यवाही, स्टेशन यार्ड निर्माण कार्य प्रारंभ करने हेतु ग्राम सिवाई एवं भट्टनगर में रेलवे द्वारा अधिग्रहित भूमि का सीमांकन की कार्रवाई, ग्राम कोलडा में भूमि के सापेक्ष अनुसूची-2 के तहत धनराशि की मांग, ग्राम लंगासी एवं ग्राम कोलडा में प्रस्तावित अतिरिक्त रेलवे स्टेशन यार्ड विस्तारीकरण के लिए प्रत्यावर्ती वन भूमि में स्थित बाधक वृक्षों का पातन किए जाने के अलावा अन्य लंबित मामलों पर विस्तार से जानकारी ली। समीक्षा के दौरान प्रभागीय वनाधिकारी बद्रीनाथ वन प्रभाग सर्वेश कुमार दुबे, अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, रेल विभाग के अधिकारी सूरज प्रकाश, मोहन सिंह बिष्ट उपस्थित रहे।

सरकारी कार्यालयों की सुरक्षा के लिए बनेगी एसओपी

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सरकारी कार्यालयों और कार्यस्थलों पर अधिकारी-कर्मचारी और शिक्षकों की सुरक्षा के लिए मुख्य सचिव को एसओपी बनाने के निर्देश दिए हैं।

सोमवार को उत्तराखंड अधिकारी कर्मचारी शिक्षक मोर्चा के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री आवास में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से भेंट की। इस दौरान मोर्चा के पदाधिकारियों ने 21 फरवरी को प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय में हुई घटना के साथ ही हाल के समय में अन्य स्थानों पर सरकारी अधिकारी-कर्मचारियों के साथ हुई घटनाओं का उल्लेख करते हुए, ऐसी घटनाओं पर रोक लगाने की मांग की। मुख्यमंत्री ने कर्मचारी नेताओं की बातों को गंभीरता से सुनते हुए कहा कि सरकार कार्मिकों के मान-सम्मान और सुरक्षा को लेकर हमेशा गंभीर रही है। मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव को फोन कर, अधिकारी, कर्मचारियों और शिक्षकों की सुरक्षा के लिए एसओपी तैयार करने को कहा। मुख्यमंत्री ने डीजीपी को निर्देश दिए हैं कि प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय में हुई घटना में शामिल दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करने को कहा। इस तरह की घटनाओं पर त्वरित कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने एसएसपी देहरादून को भी शिक्षा निदेशालय में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं, साथ ही इस मौके पर राज्य औषधीय पादप बोर्ड के उपाध्यक्ष प्रताप सिंह पंवार, उत्तराखंड अधिकारी कर्मचारी शिक्षक मोर्चा के अध्यक्ष राम सिंह चौहान, महामंत्री मुकेश बहुगुणा एवं अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

विदेशी भाषाओं में रोजगार की हैं अपार संभावनाएं

चमोली। डॉ. शिवानंद नौटियाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में उच्च शिक्षा व्याख्यानमाला का ग्यारहवां व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रभारी प्राचार्य डॉ. अखिलेश कुकरेती के उद्बोधन से हुई।

इस श्रृंखला का ग्यारहवां व्याख्यान कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय के जर्मन विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर शिवम मिश्रा की ओर से विदेशी भाषाओं के माध्यम से रोजगार विषय पर दिया गया। उन्होंने जर्मन सहित अन्य विदेशी भाषाओं के माध्यम से रोजगार के अवसरों के बारे में बताया। उन्होंने विदेशी भाषाओं के माध्यम से इस प्रतिस्पर्धा के दौर में खुद को विशेष साबित कर सफल होने के सूत्र भी दिए। उन्होंने उत्तराखंड के पर्यटन उद्योग में विदेशी भाषाओं के माध्यम से रोजगार सृजन के बारे में भी बताया।

हर्षिल घाटी में सेब के पेड़ों को क्षति पहुंचा रहे हैं लंगूर

उत्तरकाशी। हर्षिल घाटी में लंगूर सेब के पेड़ों को क्षतिग्रस्त कर काश्तकारों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बर्फबारी के बाद हर वर्ष लंगूर उनकी फसलों को नुकसान पहुंचाते हैं लेकिन वन विभाग की ओर से इन्हें रोकने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। लंगूर पेड़ों की टहनियों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। छोलमी निवासी मनोज नेगी ने बताया कि इस वर्ष की बर्फबारी के बाद एक बार फिर लंगूरों की दहशत से सेब बागवान परेशान हैं। लंगूर सेब के पेड़ों की छिलके उतारने के साथ ही टहनियों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। उन्होंने कहा पेड़ों को पूरी तरह ही क्षतिग्रस्त कर दिया है। उन पर अब उत्पादन नहीं हो सकता। इससे काश्तकारों को सेब उत्पादन की चिंता सताने लगी है। उन्होंने कहा कि लंगूर हर वर्ष पेड़ों को क्षतिग्रस्त कर ग्रामीणों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। वहीं, पिछले कुछ वर्षों में लंगूरों की संख्या बढ़ी है। इस संबंध में कई बार वन विभाग के अधिकारियों के साथ पत्राचार किया गया कि लंगूरों को रोकने के लिए कारगर कदम उठाए जाए लेकिन उस पर किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि गत वर्ष की आपदा में उन्हें बहुत अधिक नुकसान उठाना पड़ा है। इसलिए इस वर्ष उन्हें उम्मीद थी कि सेब के अच्छे उत्पादन से आपदा से हुए नुकसान की भरपाई की जाए लेकिन पहले बारिश और बर्फबारी न होने के कारण फसल पर असर पड़ रहा है। साथ ही लंगूरों की ओर से दोगुना नुकसान किया जा रहा है। सेब बागवानों ने लंगूरों को रोकने के लिए उचित कदम उठाने की मांग की है।

नौटियाल क्रिकेट एकेडमी और समर्थ क्रिकेट एकेडमी ने जीते मुकाबले

देहरादून। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड की ओर से दून में चल रही देहरादून अंडर–19 डिस्ट्रिक्ट लीग में अयान अली की घातक गेंदबाजी (6 विकेट) की बदौलत नौटियाल क्रिकेट एकेडमी ने श्री स्टेप्स क्रिकेट एकेडमी को 32 रनों से हराया।

दूसरे मैच में समर्थ क्रिकेट एकेडमी ने ग्लैंट क्रिकेट क्लब को 76 रनों से पराजित किया। सोमवार को अंडर–19 डिस्ट्रिक्ट लीग में दो मैच खेले गए। जीडी गोयंका क्रिकेट ग्राउंड में नौटियाल क्रिकेट एकेडमी और श्री स्टेप्स क्रिकेट एकेडमी के बीच मैच खेला गया। पहले बल्लेबाजी कर नौटियाल क्रिकेट एकेडमी ने 40 ओवर में 8 विकेट पर 125 रन बनाए। जिसमें लक्ष्य कैंतुरा ने 57 और आरव पंत ने 14 रनों का सर्वाधिक योगदान दिया। श्री स्टेप्स एकेडमी की ओर से विकास कुमार ने चार, अर्णव वर्मा ने दो विकेट चटकाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्री स्टेप्स क्रिकेट एकेडमी के बल्लेबाज कप्तान अयान अली की गेंदबाजी के आगे नहीं टिक सके और पूरी टीम 22 ओवर में 93 रनों पर ढेर हो गई। अर्णव वर्मा ने 30, सहदेव ने 21, आर्यन गंगोत्री ने 12 रन टीम के लिए जोड़े। नौटियाल क्रिकेट एकेडमी के लिए अयान अली ने 6, चिराग छेत्री ने दो विकेट झटके। कृष्णा क्रिकेट एकेडमी ग्राउंड में समर्थ क्रिकेट एकेडमी और ग्लैंट क्रिकेट क्लब के बीच खेले गए मैच में समर्थ क्रिकेट एकेडमी ने 76 रनों से जीत हासिल की।

पहले बल्लेबाजी कर समर्थ क्रिकेट एकेडमी ने 39.2 ओवर में 212 रन बनाए। जिसमें सैफ अली खान ने 78, शौर्य चौहान ने 25, समर्थ सिद्धू ने 16, समर्थ गर्ग व प्रियांशु ने 15– 15 रन बनाए। ग्लैंट क्रिकेट क्लब की ओर से भूपी ने तीन, राजन कुमार, रोहित शर्मा व हिमांशु ने 2–2 विकेट लिया।

ऐप डाउनोड के बहाने एक लाख रुपये की ठगी

नई टिहरी। बैंक का ऐप डाउनलोड कराने के बहाने साइबर ठग ने एक खाताधारक से एक लाख पांच हजार ठग लिए। पीड़ित ने पुलिस को दी तहरीर में ठगी गई रकम वापस दिलाकर ठगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। पीड़ित किशन सिंह निवासी चम्बियाला ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसके मोबाइल फोन पर एक कॉलर ने बताया कि वह पीएनबी हेल्पलाइन नंबर से बात कर रहे हैं। उन्होंने ऐप डाउनलोड करने को कहा लेकिन मेरे फोन पर ऐप डाउनलोड नहीं हुआ। इस पर कॉलर फोन अपडेट करने के लिए खाता संबंधी डिटेल के साथ नाम, एटीएम कार्ड नंबर और जन्मतिथि भरने को कहा।

कुंभ मेला—2027 की तैयारियों को लेकर मेलाधिकारी ने कुंभ नगरी के विभिन्न क्षेत्रों का किया निरीक्षण

हरिद्वार। कुंभ मेला–2027 की तैयारियों को व्यवस्थित एवं समयबद्ध रूप से आगे बढ़ाने के उद्देश्य से मेलाधिकारी श्रीमती सोनिका ने सोमवार को कुंभ नगरी के विभिन्न क्षेत्रों का विस्तृत स्थलीय निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि मेले के दौरान देश–विदेश से आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। मेलाधिकारी ने भीड़ प्रबंधन, पार्किंग एवं ट्रैफिक नियंत्रण से संबंधित प्रस्तावित योजनाओं की मौके पर समीक्षा करते हुए कहा कि कुंभ जैसे विराट आयोजन के लिए सुविचारित योजना, समन्वित कार्यप्रणाली तथा निरंतर निगरानी आवश्यक है। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। अधिकारियों के साथ विस्तृत विचार–विमर्श कर व्यवस्थाओं की व्यवहारिकता, संभावित चुनौतियों तथा उनके समाधान पर चर्चा की गई।

आईआईटी रुड़की में चौथा रुड़की वाटर कॉन्क्लेव 2026 का उद्घाटन हुआ

रुड़की। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की (आईआईटी रुड़की) ने राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान (एनआईएच) रुड़की के सहयोग से 23 से 25 फरवरी 2026 तक "नेक्सस दृष्टिकोण के माध्यम से सीमापार जल सहयोग" विषय पर 4वें रुड़की वाटर कॉन्क्लेव (आरडब्ल्यूसी 2026) का उद्घाटन किया। यह द्विवार्षिक कॉन्क्लेव विश्वभर के प्रमुख नीति–निर्माताओं, शोधकर्ताओं, उद्योग जगत के नेताओं और जल विशेषज्ञों को उभरती जल चुनौतियों के एकीकृत एवं सतत समाधान पर विचार–विमर्श हेतु एक मंच प्रदान करता है। प्रमुख विषयगत क्षेत्रों में सीमापार नदी बेसिन प्रबंधन, जलवायु परिवर्तन अनुकूलन एवं सहनशीलता, हाइड्रो–मौसमीय चरम घटनाएँ, भूजल स्थिरता, जल गुणवत्ता, तथा जलडाउर्जाखाद्य नेक्सस शामिल हैं। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता प्रो. कमल किशोर पंत, निदेशक, आईआईटी रुड़की ने की। डॉ. वाई.आर.एस. राव, निदेशक, एनआईएच रुड़की, कॉन्क्लेव के सह–अध्यक्ष हैं, जबकि प्रो. आशीष पांडे, आईआईटी रुड़की, संयोजक के रूप में कार्य कर रहे हैं। सत्र का प्रारंभ पारंपरिक दीप प्रज्वलन और कुलगीत की प्रस्तुति से हुआ, जिसके पश्चात प्रो. आशीष पांडे द्वारा स्वागत उद्बोधन दिया गया। प्रो. कमल किशोर पंत; डॉ. वाई.आर.एस. राव; तथा डॉ. मार्क स्मिथ, महानिदेशक, अंतरराष्ट्रीय जल प्रबंधन संस्थान (आईडब्ल्यूएमआई) ने संबोधन दिए। कार्यक्रम में पद्मश्री सम्मानित उमाशंकर पांडे, सवजीभाई धोलकिया और पोपटराव पवार के विशेष उद्बोधन, कॉन्क्लेव कार्यवाही का विमोचन, तथा डॉ. विनोद के. पॉल, सदस्य, नीति आयोग, भारत सरकार का मुख्य व्याख्यान शामिल था। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन और राष्ट्रगान के साथ हुआ। सभा को संबोधित करते हुए, प्रो. कमल किशोर पंत ने कहा, "जल सुरक्षा का सीधा संबंध जलवायु सहनशीलता, खाद्य प्रणालियों और ऊर्जा स्थिरता से है, क्योंकि एआई डेटा सेंटरों के बढ़ते उपयोग के कारण जल की मांग में वृद्धि हो रही है। आरडब्ल्यूसी 2026 को वैज्ञानिक अनुसंधान, नीति ढाँचे और सामुदायिक सहभागिता को एकीकृत कर सतत जल प्रबंधन हेतु क्रियाशील मार्ग विकसित करने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया है।" विभिन्न देशों से कुल 42 मुख्य वक्ता अपने मुख्य व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे और तकनीकी सत्रों में भाग लेंगे। ये वक्ता संयुक्त राज्य अमेरिका, जर्मनी, यूनाइटेड किंगडम, इज़राइल, नीदरलैंड, कनाडा, जापान, नॉर्वे, श्रीलंका, थाईलैंड, ऑस्ट्रेलिया, ताइवान और नेपाल सहित अंतरराष्ट्रीय संगठनों के विशेषज्ञों का प्रतिनिधित्व करेंगे। इन विशिष्ट वक्ताओं की उपस्थिति वैश्विक दृष्टिकोण और वर्तमान जल प्रबंधन चुनौतियों तथा नवाचारी समाधानों पर महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान करेगी। आरडब्ल्यूसी 2026 की एक प्रमुख विशेषता 'जल सहयोग में सामुदायिक सहभागिता और सामाजिक–आर्थिक पहलू' विषय पर आयोजित विशिष्ट पैनल है, जिसमें पद्मश्री सम्मानित सवजीभाई धोलकिया, पोपटराव पवार, भरत भूषण त्यागी और उमाशंकर पांडे सहित वरिष्ठ नीति–निर्माता जैसे राजीव रंजन मिश्रा (पूर्व महानिदेशक, एनएमसीजी), युगल जोशी (कार्यक्रम निदेशक, नीति आयोग), आर. एन. मिश्रा (पूर्व अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एसजेवीएन लिमिटेड), अतुल जैन (उपाध्यक्ष, दीन दयाल शोध संस्थान), तथा प्रो. अनिल के. मिश्रा (तकनीकी विशेषज्ञ, एनआरएए, भारत सरकार) शामिल हैं। यह उच्च–स्तरीय पैनल विज्ञान, नीति और जमीनी नेतृत्व के बीच सेतु स्थापित कर समावेशी, सामुदायिक–प्रेरित और संस्थागत रूप से सुदृढ़ जल शासन ढाँचों को सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। कॉन्क्लेव में अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर के प्रमुख वक्ताओं, विशिष्ट पैनल सदस्यों और तकनीकी विशेषज्ञों की प्रभावशाली श्रृंखला शामिल है,

जयन्त

संस्थापक

स्व.नरेन्द्र उनियाल

प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी

नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित

–सम्पादक

नागेन्द्र उनियाल

आर.एन.आई. 35469/79

फोन/फैक्स 01382–222383

मो. 8445596074, 9412081969

e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com